13/3/25

विराम चिह्न

चिह्न बोलते या समय रुकने के संकेत देते हैं। उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

1) अल्प विराम - ,
2) अर्द्ध विराम - ;
3) पूर्ण विराम - ।
4) प्रश्न चिह्न - ?
5) भाववाचक विस्मयादि बोधक चिह्न - !
6) योजक चिह्न - -
7) उद्धरण चिह्न - " " ' '
8) कोष्ठक - ( )
9) विवरण चिह्न - :

★ अल्प विराम (,) - इसका अर्थ थोड़ी देर के लिए रुकना
उदा :- राजु , राम और श्याम गये।

★ अर्द्ध विराम [;] - जहाँ अल्प विराम से अधिक और पूर्ण विराम से कम रुकना हो, वहाँ अर्द्ध विराम का प्रयोग होता है।
उदा: खूब मनलगाकर पढ़ ; परीक्षा निकट आ गई।

★ पूर्ण विराम [।] - पूरी तरह से रुकना।
उदा: मोहन अच्छा लड़का है।

★ प्रश्न चिह्नम [?] - जिससे प्रश्न पूछने का आभास होता है।
उदा: आपका नाम क्या है?

* भावसूचक विस्मयादिबोधक चिह्न [!]
जिस चिह्न का प्रयोग हर्ष, विस्मय, आश्चर्य, करुण, भय, आदि भाव प्रकट करने वाले चिह्न।
उदा: वाह! कितना अच्छा।

---

* योजक चिह्न [-]
दो या दो से अधिक शब्दों को [पोड़] जाता है।
उदा: कल-फूल, माता-पिता।

---

* उद्धरण चिह्न [" " ' ']
जिस चिह्न के द्वारा कथन को ज्यों का त्यों बताया जाता है। उसे उद्धरण चिह्न कहते हैं।
उदा: राम ने श्याम से कहा "मैं तुम्हारी मदद करूँगा"।

---

* कोष्ठक [( )]
किसी शब्द या वाक्यांश को स्पष्ट करने या उसकी व्याख्या करने के लिए कोष्ठक के भीतर रखा जाता है।
उदा: राम के अनन्य भक्त [हनुमान] ने चुनौती स्वीकार की।

---

* विवरण चिह्न :-
किसी बात का उत्तर, विवरण या उदाहरण अगली पंक्ति में देना हो तो विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
उदा: संज्ञा के भेद: व्यक्ति वाचक जाति वाचक भाववाचक समूह वाचक द्रव्य वाचक

18/3/25

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य मे अन्य शब्दो के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते है।

उदाहरण :
* मोहन ने सतीश को एक किताब दी।
* रहीम ने मूर्ति के लिए एक चित्र खीचा।

कारक के निम्नांकित आठ भेद है

1. कर्ता कारक
इससे क्रिया [काम] करनेवाले का बोध होते है।
इसका कारक चिह्न है 'ने'।
उदाहरण :
* रमेश ने सुरेश की सहायता की।
* बाज़ीगर ने अनेक चमत्कार दिखाये।

2. कर्म कारक :
इससे क्रिया के फल भोगनेवाले का बोध होता है। इसका चिह्न है - 'को'।
उदाहरण :
* मालिक ने नौकरो को वेतन दिया।
* लोगों ने चोरो को पकड़ा।

3. करण कारक
इससे क्रिया के होने में सहायता देनेवाले साधन का बोध होता है। इस कारक का चिह्न है - 'से'।

उदरण :
किसान हल से खेत जोत रहा है।
* रमेश कलम से पत्र लिखता है।
*

4 * संप्रदान कारक :
इससे क्रिया करने के उद्देश्य या प्रयोजन का बोध होता है। इस कारक के चिह्न हैं - के लिए, के द्वारा, के वास्ते

उदहरण :
* माता ने बेटी के लिए एक अंगूठी खरीदी।
* नेहा शोभा के लिए पुस्तक लायी।
*

5. अपादन कारक :
इससे किसी क्रिया के एक स्थान से हटने या दूर होने का बोध होता है। इस कारक का चिह्न 'से'।

उदहरण :
* गंगा हिमालय से निकलती है।
* पेड़ से फल गिरा।
*

6 संबंध कारक :
इससे संज्ञाओं के बीच भिन्न-भिन्न प्रकार के संबंध का बोध होता है। इस कारक के चिह्न हैं - 'का', 'के', 'की'।
उदहरण : * सरोवर का पानी स्वच्छ होता है।
* सोहन के दादा निरक्षर थे।
*

7. अधिकरण कारक
इससे क्रिया के होने के स्थान या समय का बोध होता है। इस कारक के चिह्न हैं - 'मे' और 'पर'।
उदाहरण :
रमेश के पिता मुंबई मे रहते हैं।
* पेड़ पर अनेक पंछी बैठते हैं।

8. संबोधान कारक
इससे किसी संज्ञा का पुकारने का भाव प्रकट होता है। हम कारक के चिह्न हैं 'अरे', 'हे', 'ओ', 'हो', वाह।
उदाहरण :
अरे! यह क्या हो गया!
* वाह! कितना अच्छा है!

18/03/2025

व्यक्तिगत पत्र
पिता को पत्र

पूज्य पिताजी, दि : 12-11-2017
सादर प्रणाम।

मैं यहाँ आपके आशीर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानु-सार मन लगाकर दिन-रात पढाई में व्यस्त रहता हूँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय गवाँ नहीं रहा हूँ।
हमारे स्कूल की ओर से अगले महीने 10 से 13 तारीख तक शैक्षिकयात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। उनके साथ मैं भी जाना चाहता हूँ। इसलिए मुझे रु. 2000 भेजने की कृपा करें।
माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन प्रिया को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी बेटा
हर्ष

सेवा में
श्री प्रभाकर बी. एम.,
घर नं. 621, भरत निवास
कर्नाटक स्कूल के समीप
राजेश्वरी नगर, बीदर जिला

व्यावहारिक पत्र
प्रमाण पत्र के लिए पत्र

दि: 07-05-2017

प्रेषक,
सचिन
नौवीं कक्षी, 'बी' विभाग,
सरकारी हाई स्कूल,
राजाजीनगर, ~~हह~~ बैंगलूरु - 560010

सेवा में
प्राचार्या
सरकारी हाइस्कूल
राजाजीनगर, बैंगलूरु - 560010

विषय: प्रमाण पत्र हेतु

महोदया,

आपसे निवेदन है कि मेरे पिताजी का तबादला मैसूरु में हो गया है। उनके साथ मुझे भी जाना होगा। अतः अनुरोध करता हूँ कि मुझे नौवीं कक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र तथा चरित्र प्रमाण पत्र देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी छात्र,
सचिन

19/3/25

मातृ भूमि

मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।
अमरों की जननी, तुमको शत - शत ~~बार~~ बार प्रणाम
मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।
तेरे उर में शायित गांधी, बुद्ध और राम,
मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।

हरे भरे हैं खेत सुहाने,
फल - फूलों से युत वन - उपवन
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक - धन।
मुक्त हस्त तू बाँट रही है
सुख - संपत्ति, धन - धाम,
मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।

एक हाथ में न्याय - पताका,
~~ज्ञान~~ - दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ
कोटि - कोटि हम आज साथ में,
गूँज उठे जय - ध्वनि नाद से
सकल नगर और ग्राम,
मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।

- भगवतीचरण वर्मा

(i) कवि परीचय

भगवतीचरण वर्मा [1903-1981] श्री भगवतीचरण वर्मा का जन्म 30 अगस्त 1903 को उन्नाव जिले [उ.प्र.] के शफीपुर गाँव में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद से बी.ए, एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 'विचार' और 'नवजीवन' नामक पत्रिकाओं का संपादन किया था। आकाशवाणी के कई केंद्रों में भी सेवा की। उनके 'चित्रलेखा' उपन्यास पर दो बार फिल्म-निर्माण हुआ। दूसरा उपन्यास 'भूले-बिसरे चित्र' साहित्य अकादमी से पुरस्कृत है। अपने खिलौने, पतन, तीन वर्ष, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, युवराज चूण्डा [उपन्यास], मेरी कहानियाँ, मोर्चाबंदी तथा संपूर्ण कहानियाँ [कहानी-संग्रह], मेरी कविताएँ, सविनय और एक नाराज कविता [कविता-संग्रह], मेरे नाटक, वसीयत [नाटक] आदि उनकी अन्य लोकप्रिय कृतियाँ हैं। 5 अक्टूबर 1981 को वर्मा जी का देहांत हुआ।

(ii) शब्दार्थ

शायित - सोया हुआ
1. अमर - मृत्युहीन, जो कभी नहीं मरता
2. हस्ता - हाथ
3. सुहाने - सुंदर
4. धाम - घर
5. गूँजना - प्रतिध्वनित होना
6.

(iii) शब्द युग्म

1. हरे - भरे
2. फल - फूल
3. वन - उपवन
4. सुख - संपत्ति
5. धन - धाम

(iv) द्विरुक्ति शब्द :

1. शत - शत
2. कोटि - कोटि

(v) अनुरूपता लिखो :

1. वसीयत : नाटक :: चित्रलेख : उपन्यास

2. शत - शत : द्विरुक्ति :: हरे - भरे : शब्द युग्म

3. बायें हाथ में : न्याय पताका : दाहिने हाथ में : ज्ञान दीप

4. हस्त : हाथ :: पताका : झंडा

(vi) दोनों खंडों को जोड़कर लिखो :

1. तेरे उर में शायित	वन - उपवन	(2)
2. फल - फूलों से युत	आज साथ में	(4)
3. एक हाथ में	कितना व्यापक	(1)
4. कोटि - कोटि हम	शत - शत बार प्रणाम	(5)
5. मातृ - भू	न्याय - पताका	(3)
	गांधी, बुद्ध और राम	(1)

VII रिक्त स्थान भरो:

1. कवि मातृभूमि को शत-शत बार प्रणाम कर रहे हैं।

2. भारत माँ के उर में गांधी, बुद्ध और राम शायित हैं।

3. वन उपवन फल-फूलों से युत हैं।

4. मुक्त हस्त से मातृ भूमि सुख-सपत्ति बाँट रही है।

5. सभी ओर जय हिन्द का नाद गूँज उठो

VIII एक वाक्यों मे उत्तर लिखो:

1. कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं?
उ: कवि मातृभूमि को प्रणाम कर रहे हैं।

2. भारत माँ के हाथों में क्या है?
उ: भारत माँ के एक हाथ मे न्याय-पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है।

3. आप माँ के साथ कौन है?
उ: आप माँ के साथ कोटि-कोटि लोग है।

4. सभी ओर क्या गूँज उठा है?
उ: सभी ओर जय हिन्द का नाद गूज

उठा है।

5. भारत के खेत कैसे हैं?
उ: भारत के खेत हारे - थके मारे हैं।

6. भारत भूमि के अंदर क्या - क्या भरा हुआ है?
उ: भारत माँ के अंदर खनिज रूपि अपार धन संपदा भरा हुआ है।

7. सुख - संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है?
उ: सुख - संपत्ति, धन धाम को माँ मुक्त - हस्त से बाँट रही है।

8. जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं?
उ: जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारत माँ से निवेदन करते हैं।

9. जय हिन्द का नाद कहाँ - कहाँ गुँजना चाहिए?
उ: जय हिन्द का नाद सकल नगर और गगन में गुजना चाहिए।

प्र. दो - तीन वाक्य में उत्तर लिखिए

1. भारत माँ के प्रकृति - सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उ: भारत माँ के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन करते हुए कवि कहते हैं कि हर तरफ हरयाली भरी हुई खेत - खलिहान सुदंर और मनमोहक है। फल - फूलों से भरे हुए हैं वन - उपवन। इस धरती के अंदर धन संपदा भरा हुआ है। भारत माँ मुक्त हस्त से सुख - संपत्ति धन - धाम को बाँट रही है।

2. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है?

उ: भारत माँ के एक हाथ न्याय पताका [झंडा] और दुसरे हाथ मे ज्ञान दीप है। जो सभी को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती है। कवि कहते हैं कि, आज भारत माँ के साथ कोटि - कोटि लोग है और सकल नगर और ग्राम मे जय हिंद का नाद गूँज रहा है। ऐसे भारत माँ को कवि शत - शत बार प्रणाम करते हैं।

४ भावार्थ लिखिए

एक हाथ मे न्याय - पताका,
ज्ञान - दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ,
कोटि - कोटि हम आज साथ मे,
गूँज उठे जय - हिंद नाद से -
सकल नगर और ग्राम,
मातृ - भू, शत - शत बार प्रणाम।

उ: प्रस्तुत या कविता भाग श्री भगवतीचरण वर्मा जी से रचित मातृभूमि कवित से लिए गए है।
भारत - माँ के एक हाथ मे न्याय पताका (झंडा) और दूसरे हाथ मे ज्ञान दीप को धारण किये सुशोभित है। कवि कहते है कि माँ आज हम कोटि - कोटि लोग आपके साथ है आज इस जग का रूप बदल दो सारे, नगर - गाव मे जय हिंद का नाद गूँज रहा है। हे मातृभूमि तुम है शत - शत बार प्रणाम करता हूँ।

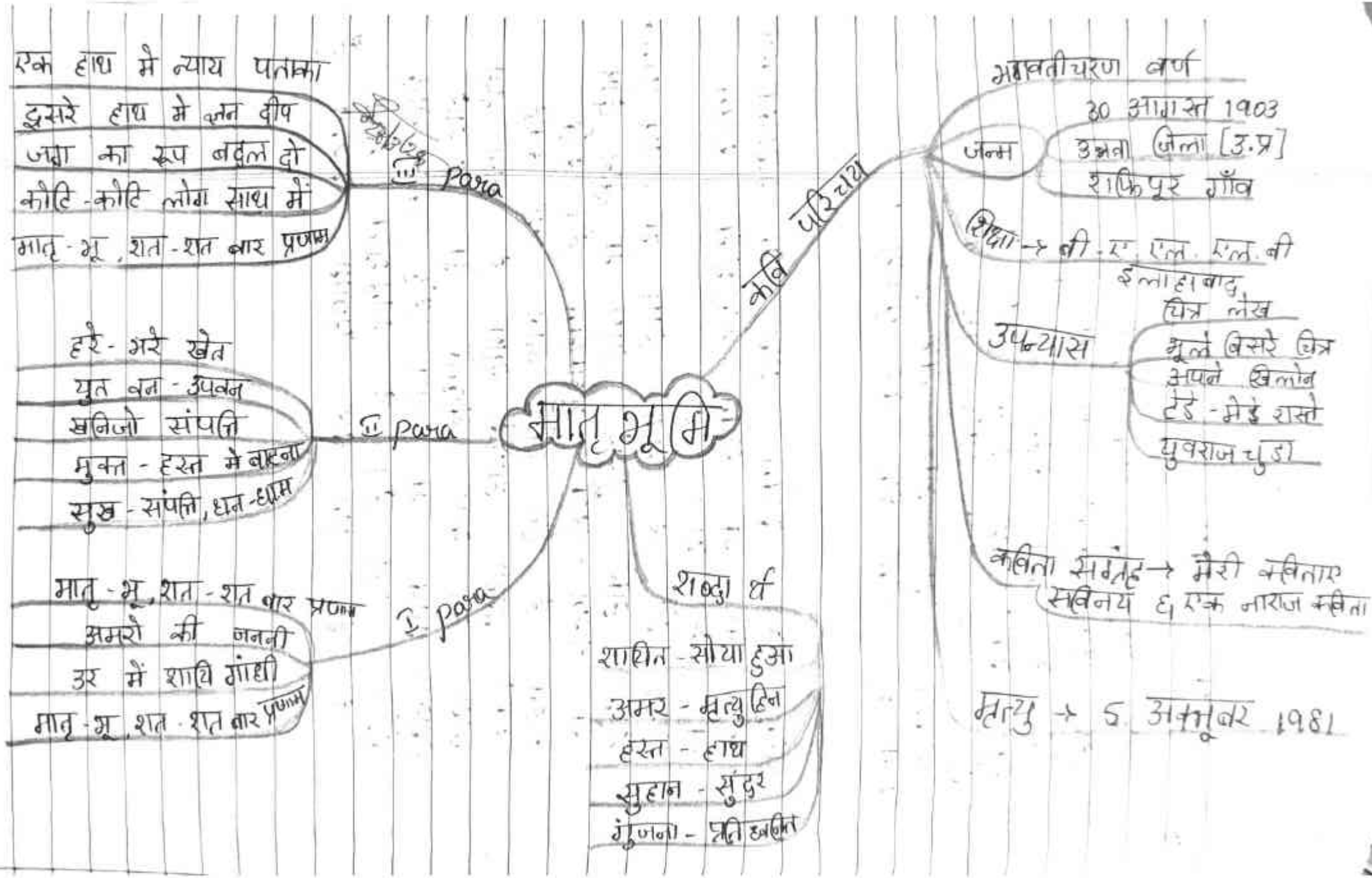

मातृभूमि

- **कवि परिचय**
  - भगवतीचरण वर्मा
  - जन्म
    - 30 अगस्त 1903
    - उन्नाव जिला [उ.प्र]
    - शफिपुर गाँव
  - शिक्षा → बी.ए. एल.एल.बी इलाहाबाद
  - उपन्यास
    - चित्र लेख
    - भूले बिसरे चित्र
    - अपने खिलौने
    - टेढ़े-मेढ़े रास्ते
    - युवराज चूडा
  - कविता संग्रह → मेरी कविताएं, सविनय, एक नाराज कविता
  - मृत्यु → 5 अक्तूबर 1981

- **शब्दार्थ**
  - शायित - सोया हुआ
  - अमर - मृत्यु हीन
  - हस्त - हाथ
  - सुहान - सुंदर
  - गुंजना - प्रतिध्वनित

- **I Para**
  - मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम
  - अमरों की जननी
  - उर में शांति गांधी
  - मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम

- **II Para**
  - हरे-भरे खेत
  - युत वन-उपवन
  - खनिजों संपत्ति
  - मुक्त-हस्त में बांटना
  - सुख-संपत्ति, धन-धाम

- **III Para**
  - एक हाथ में न्याय पताका
  - दूसरे हाथ में ज्ञान दीप
  - जग का रूप बदल दो
  - कोटि-कोटि लोग साथ में
  - मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम

29/3/25

पाठ
कश्मीरी सेब

1. लेखक परिचय

प्रेमचंद जी का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के पास लमही नामक गाँव में हुआ था। इनका वास्तविक नाम धनपतराय था। वे शिक्षा विभाग में नौकरी करते थे। बचपन में ही प्रेमचदं मातृ प्रेम से वंचित रहे। इसका जीवन गरीबी में ही गुजरा। वे मैट्रिक तक ही पढ़ पाये। वे यथार्थवादी कथाकार थे।
इनकी प्रमख रचनाएँ - गोदान, सेवासदन, गबर, निर्मला, कर्मभूमि आदि इसके प्रमुख उपन्यास हैं। बड़े घर की बेटी, नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर पूस की रात आदि इसकी प्रसीद्ध कहानियाँ हैं। प्रेमचदं की कहानियाँ 'मानसरोवर' नाम से सकलित हैं।

2. शब्दार्थ

मेवाफरोश - मेवा या ताजे फल बेचने वाला।
1. नजर - दृष्टि, निगाह, दिखायी देना
2. निमकौड़ी - नीम का फल
3. स्वाद - रुचि
4. लौंडा - छोकरा, बालक
5. मोल - भाव - मूल्य, कीमत, दाम
6. तराजू - तौलने का साधन, उपकरण
7. कायदा - नियम, रीति
8. गलना - किसी वस्तु का घनत्व कम होना
9.

10. बेदाग - साफ जिसमें कोई दाग न हो
11. सुराख - छेद
12. बेर - एक प्रकार का फल
13. भाँप लेना - पहचानना
14. चौकस - सचेत, सावधान
15. कचहरी - दफ्तर
16. साख - लेन - देन
17. छटाँक - सेर का सोलहवें भाग की एक तौल
18. रेवड़ी - तिल और चीनी से बनी मिठाई

iii) जोड़कर लिखिए

1) सेब को रुमाल में बाँधकर	प्रातःकाल है।	(2)
2) फल खाने का समय तो	मुझे दे दिया।	(1)
3) एक सेब भी खाने	बनी हुई थी।	(4)
4) व्यापारियों की साख	लायक नहीं।	(3)

iv) विलोम शब्द

1) शाम x सुबह
2) खरीदना x बेचना
3) बहुत x कम
4) अच्छा x बुरा
5) शिक्षित x अशिक्षित
6) आवश्यक x अनआवश्यक
7) गरीब x अमिर
8) रात x दिन
9) संदेह x निसंदेह
10) साफ x गन्दा
11) बेईमान x ईमान.

12. विश्वास × अविश्वास
13. सहयोग × असहयोग
14. हानि × लाभ
15. पास × दूर
16. गम × खुशी

ii. अनुरूपता

1. केला : पीला रंग :: सेब : लाल रंग
2. सेब : फल :: गाजर : सब्जी
3. नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब
4. कपड़ा : नापना :: टोमाटो : तौलना

iii. अन्य वचन लिखिए

1. चीज़े - चीज़
2. रास्ता - रास्ते
3. फल - फल
4. घर - घर
5. रुपए - रुपया
6. आँखें - आँख
7. कर्मचारी - कर्मचारियाँ
8. व्यापारी - व्यापारी
9. रेवड़ी - रेवड़ियाँ
10. दुकान - दुकान

VIII प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से एक और शब्द बनाइए :

उदा: सेब → बंदर → रंग → गरम

1) दुकान

2) बाजार

3) रुमाल

4) लेखक

VIII निम्न लिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए

1. गाजर गरीबों भी पहले के पेट की चीज भरने थी।

उ: गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी।

2. अब चीज़ नहीं हैं वह केवल स्वाद की।

उ: अब वह केवल स्वाद की चीज़ नहीं है।

3. नहीं लायक खाने भी सेब एक।

उ: एक सेब भी खाने लायक नहीं।

4. मालूम हुई घर आकर अपनी भूल।

उ: घर आकर अपनी भूल मालूम हुई।

प्र एक वाक्य में उत्तर दो :

1. लेखक चीज़ें खरीदने कहाँ गये थे?
उ: कल शाम को चौक में दो-चार जरूरी चीज़ें खरीदने गया था।

2. लेखक को क्या नजर आया?
उ: एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आये।

3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा?
उ: एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार गुलाबी सेब सजे हुए नजर आये। जी ललचा उठा।

4. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है?
उ: अब टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है।

5. स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है?
उ: सेब तो रस और स्वाद में आम से बढ़कर नहीं है।

6. रोज़ एक सेब खाने से किनकी जरूरत नहीं होगी?
उ: रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की ज़रूरत नहीं होगी।

प्र दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है?

उ: आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन की प्रवृत्ति हो गई है। टोमाटो को पहले कोई भी नहीं पूछता था। अब टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है। गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी। अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे; मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन है; इसलिए गाजर को भी मेजों पर स्थान मिलने लगा है।

2. दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उ: दुकानदार ने कहा - बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

3. दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा?

उ: दुकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से बोला - सुनो, आध सेर कश्मीरि सेब निकाल लो। चुनकर लाना।

५. सेब की हालत के बारे में लिखिए।

उ: रात को सेब या कोई दूसरा फल खाने का कायदा नहीं है। फल खाने का समय तो प्रातःकाल है। आज सुबह मुँह हाथ धोकर जो नाश्ता करने के लिए एक सेब निकाला, तो सड़ा हुआ था एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था। समझा, रात को दुकानदार ने देखा न होगा। दूसरा निकाला। मगर यह आधा सड़ा हुआ था। अब संदेह हुआ, दुकानदार ने मुझे धोखा तो नहीं दिया है। तीसरा सेब निकाला। यह सड़ा तो न था; मगर एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था। चौथा देखा। वह यों तो बेदाग था; मगर उसमें एक काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है। काटा तो भीतर वैसे ही धब्बे जैसे बेर में होते हैं। एक सेब भी खाने लायक नहीं।

प्र) कन्नड अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।

उ: ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ವಾಗಿತ್ತು

2. दुकानदार ने कहा बड़े मजेदार सेब आये हैं।

उ: ವ್ಯಾಪಾರಿ ಹೇಳುವ ತುಂಬಾ ಉತ್ತಮ ವಾದ ಸೇಬು ಹಣ್ಣುಗಳು ಬಂದಿವೆ.

3. एक सेब भी खाने लायक नहीं।

उ: ಒಂದು ಸೇಬು ಕೂಡ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಅಲ್ಲ

4. दुकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।

उ: ವ್ಯಾಪಾರಿ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

HOT QUESTIONS

1. कश्मीरी सेब पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उ: इस कहानी से बाजार मे लोगो के साथ होने वाली धोखबाजी पर प्रकाश डाला गया है और खरीदारी समय सावधानी बरतने की अवश्यकता पर जोर दिया गया है। लेखक अपना अनुभव बताते हुए पाठको को सचेत करते है कि अगर खरीदुनी करते समय सावधानी नही बरते तो धोखा खाने की संभावना होती है।

2. फल और सब्जियाँ के बारे मे लेखक का क्या विजार है?

उ: टोमाटो को पहले कोई भी न पूछता था। अब टेमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है। गाजर भी पहले गरीनो के पेट भरने की चीज़ थी। अमिर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे; मगर अब पता चला है कि गाजर मे भी बहुत विटमिन है; इसलिए गाजर को भी मेजो पर स्थान मिलने लगी है। सेब के विषय मे तो यह कहा जाने लगा है कि एक सेब रोज खाइए तो आपको डाक्टरो की जरुरत न रहगा।

3. व्यापारियों के बारे में लेखक का अनुभव बताइए?

उ: एक बार मैंने मुहर्रम के मेले में एक दुकानदार से एक पैसे की रेवड़ियां ली थी और पैसे की जगह अठन्नी दे आया था। घर आकर जब अपनी भूल मालूम हुई तो दुकानदार के पास दौड़ा गया। आशा नहीं थी कि वह अठन्नी लौटायेगा पर लेकिन उसने प्रसन्नचित्त से अठन्नी लौटा दी और उलटे लेखक को क्षमा माँगी।

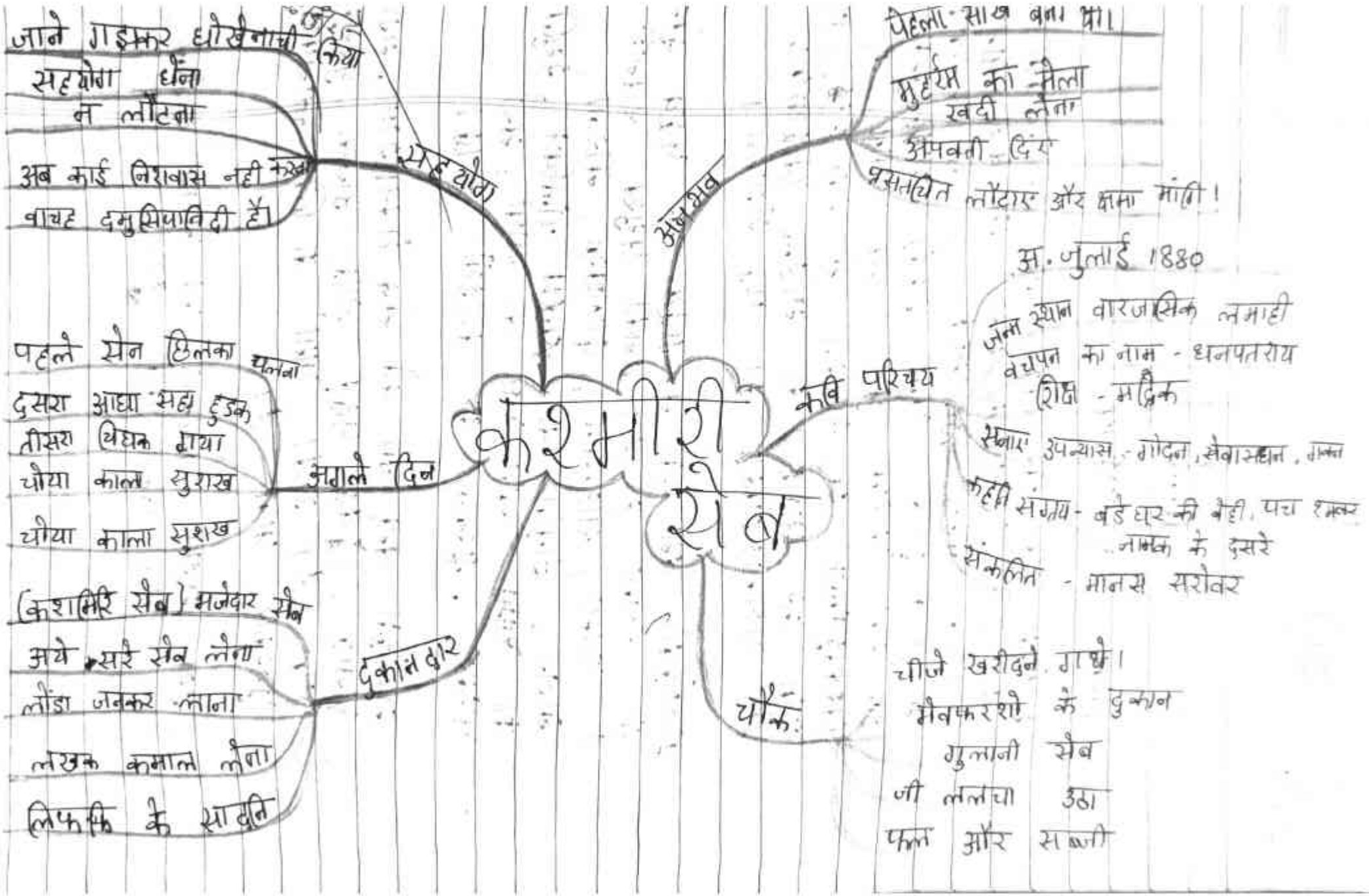

कश्मीरी सेब
सहयोग
जाने गाइकर धोखेबाजी किया
सहयोग धंना
न लौटना
अब कोई निराबास नहीं रखा
वाचट दमुसियानिदी है
अगले दिन
पहले सेन छिलका पलना
दुसरा आधा सड़ा टुकड़ा
तीसरा विधक गाया
चौथा काला सुराख
चौथा काला सुराख
दुकान दार
(कशमिरि सेब) मजेदार सेब
अये सारे सेब लेना
लौडा जनकर लाना
लेखक कमाल लेना
लिफाफे के सादर
अनुभव
पेहला साथ बना था।
मुहँयस का मैला
खदी लेना
अपवती दिए
प्रसनचित लौटाए और क्षमा मांगी।
कवि परिचय
ज. जुलाई 1880
जन्म स्थान वारजासिक लमाही
बचपन का नाम - धनपतराय
शिक्षा - मट्रिक
रचनाएं उपन्यास - गोदान, सेवासदन, गबन
कहानी संग्रह - बड़े घर की बेटी, पंच परमेश्वर नमक के दारोगा
संकलित - मानस सरोवर
चौक
चीजे खरीदने गाये।
मेवफरशो के दुकान
गुलाबी सेब
जी ललचा उठा
फल और सब्जी

02/06/25

पाठ
(गिल्लू)

लेखिका का परिचय

महादेवी वर्मा जी विश्व स्तर की कवयित्री हैं। उन्हें 'आधुनिक मीरा' भी कहा जाता है। उनका जन्म 24 मार्च, 1907 को फरुखाबाद में हुआ। उनके पिता गोविंद प्रसाद वर्मा और माता हेमारानी थीं। उन्होंने प्रयाग के विश्वविद्यालय से संस्कृत में एम.ए. उपाधि प्राप्त कर प्रयाग के महिला विद्यापीठ में प्रधानाध्यापिका का पद संभाला।

महादेवी वर्मा जी ने गद्य और पद्य दोनों की रचना की है। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं: यामा, सांध्यगीत, दीपशिखा, नीरजा, नीहार, अतीत के ~~चलचि~~ चलचित्र, स्मृति की ~~धामा~~ रेखाएँ, पथ के साथी, मेरा परिवार, श्रृंखला की कड़ियाँ आदि।

महादेवी वर्मा जी को ~~सेक~~ सेकसरिया, मंगला प्रसाद, द्विवेदी पदक आदि अनेक पुरस्कार प्राप्त हैं। उनकी 'यामा' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है।

इस महान् रचनाकार का निधन सितंबर, सन् 1987 को हुआ।

ii टिप्पणी :

काकभुशुण्डि : पुराण कथा में कौए को पक्षियों के रूप में स्वीकार किया गया है।

iii शब्दार्थ :

1. अचानक - एकाएक, Suddenly
2. गमला - फूलों के पेड़ या पौधे लगाने का बर्तन, Pot
3. घाव - जख्म
4. हौले से - धीरे से
5. काँच - शीशा
6. चुन्नट - सिलवट, [illegible]
7. सोनजुही - एक खुशबूदार फूल
8. गिलहरी - Squirrel, मोटे रुएँ और लंबी पूँछवाला एक मादा जन्तु
9. अवतीर्ण - उत्पन्न होना, अवतरित होना
10. काकद्वय - दो कौए
11. चोंच - पक्षियों के मुख का अग्र भाग
12. मरहम - औषधि का लेप
13. झब्बेदार - गुच्छे जैसी
14. डलिया - छोटी टोकरी
15. मनके - मणि
16. गात - शरीर, देह
17. कीलें - लोहे या काठ की खूँटी
18. बरामदा - घर के बाहर का भाग
19. सुराही - [illegible], पानी रखने का बर्तन

IV रिक्त स्थान भरिए :

1. यह काकभुशुण्डि भी विचित्र पक्षी है।
2. उसी बीच मुझे मोटर - दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा
3. गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया।
4. मेरे पास, बहुत से पुश - पक्षी हैं।
5. गिल्लू की जीवन का अंत आ ही गया

V अनुरूप शब्द लिखिए

1. महादेवी वर्मा जी का जन्म :: 1907 : मृत्यु 1987
2. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : लता
3. हंस : सफेद :: कौआ : काला
4. बिल्ली : म्याऊँ- म्याऊँ :: गिल्लू : चिक - चिक
5. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश स्वर

VII दिये गये सही स्त्रीलिंग शब्दों को चुनकर संबंधित पुल्लिंग शब्द के आगे लिखिए

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लेखक	लेखिका
श्रीमान	श्रीमती
मयूर	मयूरी
कुत्ता	कुतिया

प्र॥ खाली जगह भरिए

	एकवचन	बहुवचन
	उँगली	उँगलियाँ
1.	आँख	आँखें
2.	पूँछ	पूँछ
3.	खिड़की	खिड़कियाँ
4.	फूल	फूल
5.	पंज	पंजे
6.	लिफ़ाफ़ा	लिफ़ाफ़े
7	कौआ	कौए
8.	गमला	गमले
9.	घोंसला	घोंसले
10.		

प्र॥ उदाहरणानुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए

1.	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
	लिखना	लिखाना	लिखवाना
	मिलना	मिलाना	मिलवाना
	चलना	चलाना	चलवाना
2.	देखना	दिखाना	दिखवाना
	भेजना	भेजाना	भेजवाना
	खेलना	खेलाना	खेलवाना
	देना	दिलाना	दिलवाना
3.	सोना	सुलाना	सुलवाना
	रोना	रुलाना	रुलवाना
	धोना	धुलाना	धुलवाना
	खोलना	खोलाना	खोलवाना

4.	पीना	पिलाना	पिलवाना
	सीना	सिलाना	सिलवाना
	सीखना	सिखाना	सिखवाना
5.	माँगना	मँगाना	मँगवाना
	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
	माँझना	माँझाना	माँझवाना
	जाँचना	जाँचाना	जाँचवाना

विलोम शब्द लिखिए

	निकट x दूर		उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण
1.	दिन x रात	1.	उपयोग x अनुपयोग
2.	भीतर x बहर	2.	उपस्थिति x अनुपस्थिति
3.	चढ़ना x उतरना	3.	उचित x अनुचित
	विश्वास x अविश्वास		ईमान x बेईमान
1.	प्रिय x अप्रिय	1.	होश x बेहोश
2.	संतोष x असंतोष	2.	खबर x बेखबर
3.	स्वस्थ x अस्वस्थ	3.	चैन x बेचैन
	बलवाना x बलहीन		धन x निर्धन
1.	बुद्धिमान x बुद्धिहीन	1.	जन x निजन
2.	शक्तिमान x शक्तिहीन	2.	बल x निबल
3.	दयावान x दयाहीन	3.	गुण x निगुण

प्र। समानार्थक शब्दों को चुनकर लिखिए

उदा : उपचार चिकित्सा इलाज

	गात	शरीर	देह
1.	आहार	खाना	भोजन
2.	विस्मय	आश्चर्य	अचरज
3.	हिम्मत	साहस	धैर्य
4.	खोज	तलाश	ढूँढ़
5.			

प्र॥ कारक का नाम लिखिए

उदा : गमले के चारों ओर - संबंध कारक

1. मुँह में एक बूँद पानी - अधिकरण कारक
2. मिल्लू को पकड़कर - कर्म कारक
3. जीवन का प्रथम वसंत - संबंध कारक
4. खिड़की की खुली जाली - संबंध कारक
5. मैंने कीलें निकालकर - कर्ता कारक
6. झूले से उतरकर - अपादान कारक
7. सुराही पर लेट जाता - अधिकरण कारक
8. कुछ पाने के लिए - संप्रदान कारक

प्र॥ एक वाक्य में उत्तर लिखिए

1. लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है?

उ: लेखिका ने कौए को काकभुशुण्डि भी विचित्र पक्षी है - एक साथ समादृत, अनादृत, अति सम्मानित, अति अवमानित।

2. गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था?

उ: गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पड़ा था।

3. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया?

उ: उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया

4. वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थीं?

उ: वर्मा जी गिल्लू कहकर बुलाने लगी।

5. गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था?

उ: दो पंजो और सिर के अतिरिक्त सारा लघु गात लिफाफे के भीतर बंद

रहता था।

6. गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था?

उ: काजु उसका प्रिय खाद्य था।

7. लेखिका को किस कारण से अस्पताल मे रहना पड़ा?

उ: मोटर - दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।

8. गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था? गिल्लू सुराही पर क्यो लेट जाता था?

उ: वर्मी वर्मा जी के पास रखी सुराही पर लेट जाता और इस प्रकार समीप भी रहता और ठंडक में भी रहता।

9. गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है?

उ: गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष की होती है।

10. गिलहरी की समधि कहाँ बनायी गयी है?

उ: सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि है।

XIV दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए

1. लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी?

उ: गमले और दीवार की संधि में छिपे एक छोटे - से जीव ; गिलहरी का एक छोटा - सा बच्चा है, जो सम्भवतः घोंसले से गिर पड़ा है और अब कौए जिसमें सुलभ आहार खोज रहे हैं। काकद्वय की चोंचों के दो घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे, अतः वह निश्चेष्ट - सा गमले से चिपका पड़ा था।

2. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?

उ: सबने कहा, कौए की चोंच का घाव लगने के बाद यह बच नहीं सकता अतः इसे ऐसे ही रहने दिया जावे। परन्तु मन नहीं माना - उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पैनिसिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

3. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

की तो उसमें काजू भरे मिले, जिनसे ज्ञात होता था कि वह उन दिनों अपना प्रिय खाद्य कितना कम खाता रहा।

प्र पाँच छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

उ. ★ पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

★ मेरे कमरे से बाहर जाने पर वह भी खिड़की की खुली जाली की राह बाहर चला जाता और दिन भर गिलहरियों के झुण्ड का नेता बना, हर डाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता।

★ लेखिका चौंकाने की इच्छा उसमें न जाने कब और कैसे उत्पन्न हो गयी थी। कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में।

★ जैसे ही खाने के कमरे में पहुँचती, वह खिड़की से निकलकर आँगन की

दीवार - बरामदा पार करके मेज पर पहुँच जाता और खेलिका थाली में बैठ जाना चाहता। जहाँ बैठकर वह मेरी थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता रहता।

* मेरी अस्वस्थता में वह तकिये पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे नखों से मेरे सिर और बालों को हौले-हौले सहलाता रहता।

---

2. लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया?

उ: लेखिका जैसे ही खाने के कमरे में पहुँचती, वह खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार - बरामदा पार करके मेज पर पहुँच जाता और लेखिका थाली में बैठ जाना चाहता। बड़ी कठिनाई से लेखिका उसे थाली के पास बैठना सिखाया, जहाँ बैठकर वह लेखिका थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता रहता। काजू उसका प्रिय खाद्य था और कई दिन काजू न मिलने पर वह अन्य खाने की चीजे या तो लेना बंद कर देता था या झूले से नीचे फेंक देता था।

---

3. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए?

उ: गिलहरियों के जीवन की अवधि दो

वर्ष से अधिक नहीं होती, अत: गिल्लू की जीवन - यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि ~~मैंने~~ मैंने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया

4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

उ: कौए की चोंच का घाव लगने के बाद यह बच नहीं सकता, अत: इसे ऐसे ही रहने दिया जावे। परन्तु मन नहीं माना - उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का ~~मर~~ मरहम लगाया। कई ~~घंटे~~ घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका। लेकिन फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते - बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी। लेकिन से बाहर जाने पर वह भी खिडकी की खुली जाली की राह बाहर चला जाता था। दिन भर गिलहरियों के झुण्ड का नेता

बना, हर हाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता। वह लेखिका थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता रहता। काजू उसका प्रिय खाद्य था। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

XVI. अनुरूप शब्द लिखिए

1. 1907 : महादेवी वर्मा जी का जन्म :: 1987 : मृत्यु
2. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : लता
3. हंस : सफेद :: कौआ : काला
4. बिल्ली : म्याऊँ-म्याऊँ :: गिल्लू : चिक-चिक
5. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश स्वर

XVII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए

1. कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

⇒ ಹಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು.

2. बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया।

⇒ ತುಂಬಾ ಪರಿಶ್ರಮದಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ನನ್ನ ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತು ಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

3. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

⇒ ಅಲ್ಲು ನನ್ನ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿದ್ದ ಮಣ್ಣಿನ ಹೂಜಿ ಪ್ರತಿಕೃತಿಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿ ಬಿಡುತ್ತಿತ್ತು

4 दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

⇒ ದಿನವಿಡೀ ಅಲ್ಲು ಏನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ. ಹೊರಗಡೆಯ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

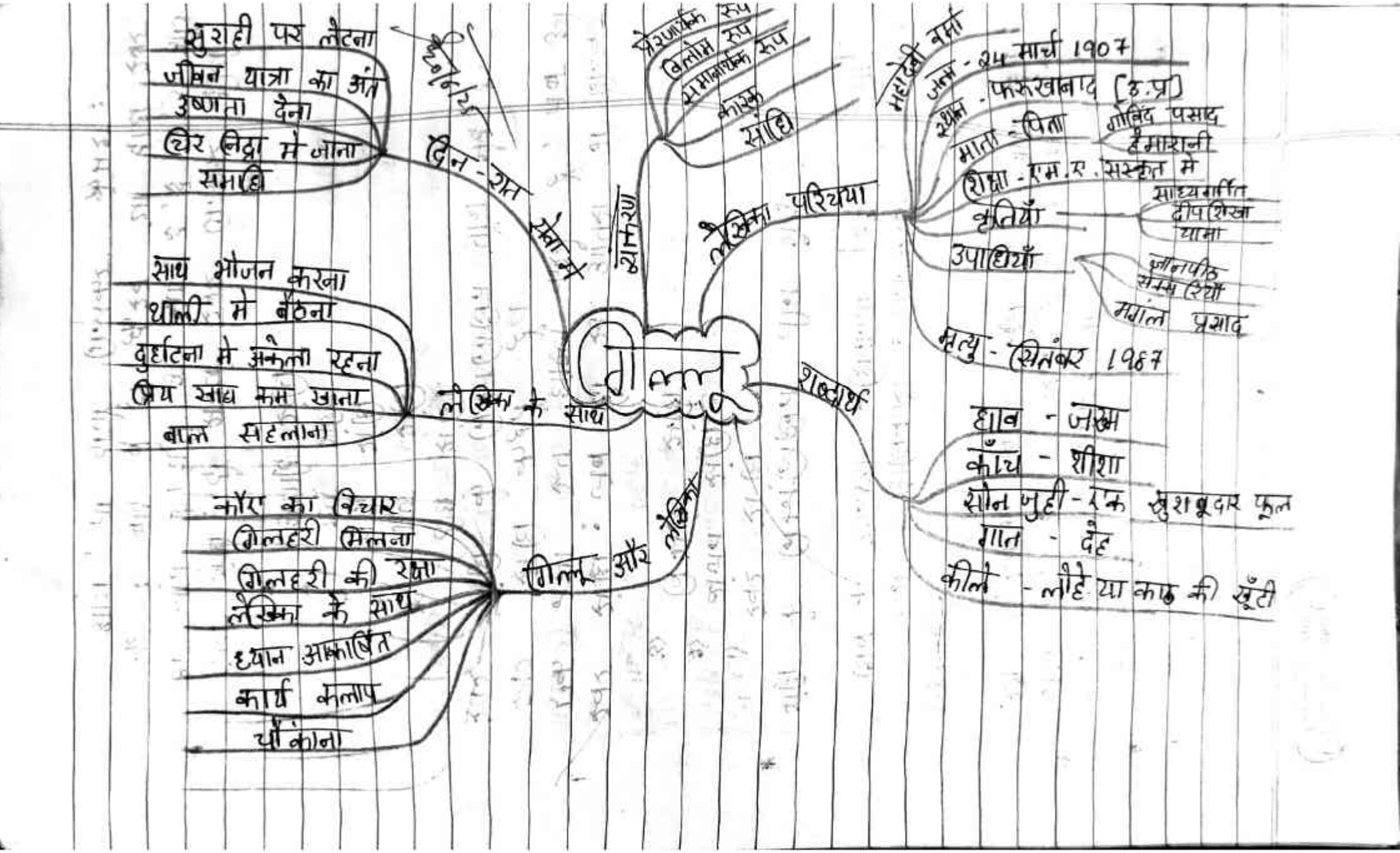

गिल्लू
लेखिका परिचय
महादेवी वर्मा
जन्म - 24 मार्च 1907
स्थान - फर्रुखाबाद [उ.प्र]
माता - पिता
गोविंद प्रसाद
हेमरानी
शिक्षा - एम.ए. संस्कृत मे
कृतियाँ
सांध्यगीत
दीपशिखा
यामा
उपाधियाँ
ज्ञानपीठ
सेकसरिया
मंगला प्रसाद
मृत्यु - सितंबर 1987
शब्दार्थ
घाव - जख्म
काँच - शीशा
सोन जुही - एक खुशबूदार फूल
गात - देह
कीलें - लोहे या काठ की खूँटी
व्याकरण
प्रेरणार्थक रूप
विलोम रूप
समानार्थक रूप
कारक
संधि
दिन - रात सेवा मे
सुराही पर लेटना
जीवन यात्रा का अंत
उष्णता देना
चिर निद्रा मे जाना
समाधि
लेखिका के साथ
साथ भोजन करना
थाली मे बैठना
दुर्घटना मे अकेला रहना
प्रिय खाद्य कम खाना
बाल सहलाना
गिल्लू और लेखिका
कौए का विचार
गिलहरी मिलना
गिलहरी की रक्षा
लेखिका के साथ
ध्यान आकर्षित
कार्य कलाप
चौंकाना

व्याकरण : संधि

* संधि शब्द का अर्थ है - मेल।
* दो वर्णों या अक्षरों के मेल से होनेवाले विकार को संधि कहते हैं।
* जब दो वर्ण आपस में जुड़ते हैं तो एक नया रूप ग्रहण करते हैं, वर्ण - मेल की इस प्रक्रिया को संधि कहा जाता है।

उदाहरण :

धर्म + अधिकारी = धर्माधिकारी [अ + आ = आ]
शिव + आलय = शिवालय [अ + आ = आ]

* संधि के निम्नलिखित तीन भेद हैं :
  1) स्वर संधि
  2) व्यंजन संधि
  3) विसर्ग संधि

1. स्वर संधि : जब दो स्वर आपस में मिलकर एक नया रूप धारण करते हैं, तब उसे स्वर संधि कहते हैं।
स्वर संधि के निम्नलिखित पाँच भेद हैं :
  * दीर्घ संधि
  * गुण संधि
  * वृद्धि संधि
  * यण् संधि
  * अयादि संधि

* दीर्घ संधि : दो सवर्ण स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं। यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आयें, तो दोनों मिलकर क्रमश :

आ, ई, ऊ और ऋ हो जाते हैं।

उदाहरण :

(क) अ + अ = आ समान + अधिकार = समानाधिकार
अ + आ = आ धर्म + आत्मा = धर्मात्मा
आ + अ = आ विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
आ + आ = आ विद्या + आलय = विद्यालय

(ख) इ + इ = ई कवि + इंद्र = कवींद्र
इ + ई = ई गिरि + ईश = गिरीश
ई + इ = ई मही + इंद्र = महींद्र
ई + ई = ई रजनी + ईश = रजनीश

(ग) उ + उ = ऊ लघु + उत्तर = लघूत्तर
उ + ऊ = ऊ सिंधु + ऊर्जा = सिंधूर्जा
ऊ + उ = ऊ वधू + उत्सव = वधूत्सव
ऊ + ऊ = ऊ भू + ऊर्जा = भूर्जा

(घ) ऋ + ऋ = ऋ पितृ + ऋण = पितृण

* गुण संधि : यदि अ या आ के बाद इ या ई उ या ऊ और ऋ आये तो दोनों मिलकर क्रमशः ए, ओ और अर् हो जाते हैं।

उदाहरण : (क) अ + इ = ए गज + इंद्र = गजेंद्र
अ + ई = ए परम + ईश्वर = परमेश्वर
आ + इ = ए महा + इंद्र = महेंद्र
आ + ई = ए रमा + ईश = रमेश

[ख] अ + आ = ओ वार्षिक + उत्सव = वार्षिकोत्सव
अ + ऊ = ओ जल + ऊर्मि = जलोर्मि
आ + उ = ओ महा + उत्सव = महोत्सव
आ + ऊ = ओ महा + ऊर्मि = महोर्मि

(ग) अ + ऋ = अर सप्त + ऋषि = सप्तर्षि
आ + ऋ = अर महा + ऋषि = महर्षि

* वृद्धि संधि : यदि अ या आ के बाद ए या ऐ आये तो दोनों के स्थान मे ऐ तथा अ या आ के बाद ओ या औ आये तो दोनों के स्थान में औ हो जाता है।

उदाहरण :

1) अ + ए = ऐ एक + एक = एकैक
अ + ऐ = ऐ मत + ऐक्य = मतैक्य
आ + ए = ऐ सदा + एव = सदैव
आ + ऐ = ऐ महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

2) अ + ओ = औ परम + ओज = परमौज
अ + औ = औ वन + औषध = वनौषध
आ + ओ = औ महा + ओजस्वी = महौजस्वी
आ + औ = औ महा + औषधि = महौषधि

* यण् संधि : यदि इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आये तो इ-ई का य्, उ-ऊ का व् और ऋ का र हो जाता है।

उदाहरण :

इ + अ = य अति + अधिक = अत्यधिक
इ + आ = या इति + आदि = इत्यादि

इ + उ : यु प्रति + उपकार = प्रत्युपकार
उ + अ = व मनु + अंतर = मन्वंतर
उ + आ = वा सु + आगत = स्वागत
ऋ + अ = र पितृ + अनुमति = पित्रनुमति
ऋ + आ = रा पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा
ऋ + उ = रु पितृ + उपदेश = पित्रुपदेश

* अयादि संधि : यदि ए, ऐ, ओ, औ के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो ए का अय्, ऐ का आय्, ओ का अव् और औ का आव हो जाता है।

उदाहरण : (क) ए + अ = अय चे + अन = चयन
ए + आ = अया ने + अन = नयन

(ख) ऐ + अ = आय गै + अक = गायक
ऐ + इ = आयि नै + इका = नायिका

(ग) ओ + अ = अव भो + अन = भवन
औ + अ = आव पौ + अन = पावन

(घ) औ + इ = आवि नौ + इक = नाविक

(2) व्यंजन संधि : व्यंजन से स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार को व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण : 1) दिक् + गज = दिग्गज
2) सत् + वाणी = सद्वाणी
3) अच् + अंत = अजंत
4) षट् + दर्शन = षड्दर्शन

5) वाक् + जाल = वाग्जाल
6) तत् + रूप = तद्रूप

3) विसर्ग संधि : स्वरों अथवा व्यंजनों के साथ विसर्ग (:) के मेल से विसर्ग मे जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

उदाहरण : निः + चय = निश्चय
निः + कपट = निष्कपट
निः + रस = नीरस
दुः + गंध = दुर्गंध
मनः + रथ = मनोरथ
पुर + हित = पुरोहित

संधि विच्छेद करके लिखिए

तल्लीन - तत् + लीन
चिदानंद - चित् + आनन्द
दिगम्बर - दिक् + अम्बर
सज्जन - सत् + जन
सद्गति - सत् + गति

स्वर संधि और व्यंजन संधि के शब्दों की सूची बनाइए।

सदाचार, गिरीश, वागीश, इत्यादि, सर्वदा, नयन, जगन्नाथ, महोत्सव, षड्दर्शन, जगन्मोहन

स्वर संधि	व्यंजन संधि
सदाचार, बेरोजगार, वागीश, महोत्सव, सर्वदा, नयन, इत्यादि	षड्दर्शन, जगन्नाथ, जगन्मोहन

21/6/25

कविता
अभिनव मनुष्य

I कवि परिचय :

कवि रामधारीसिंह दिनकर जी का जन्म ई. सन् 1908 को बिहार प्रांत के मुंगेर जिले में हुआ। पहले वे रेडियो विभाग में काम करते थे। बाद में एक सरकारी कॉलेज के प्राध्यापक बने। आगे चलकर वे भारत सरकार के हिंदी सलाहकार के पद पर नियुक्त हुए। ई. सन् 1974 को इनका देहावसान हुआ।
कवि की कुछ प्रमुख रचनाएँ हैं - हुँकार, रेणुका, रसवंती, सामधनी, धूप-छाँह, कुरुक्षेत्र, बापू, रश्मिरथि आदि। कवि की हर रचना में हृदय को प्रभावित और उत्साहित करने की पूर्ण शक्ति है। इनकी भाषा सजीव और विषय के अनुकूल है।

'अभिनव मनुष्य' पद्यभाग 'कुरुक्षेत्र' के षष्ठ सर्ग से लिया गया है।

(ii) शब्दार्थ :

1. नवीन - नया , नवीन , आधुनिक
2. वारि - जल , भाष्प
3. वाष्प - vapour
4. हुम्म - आभा
5. व्यवधान - पर्दा , रुकावट , बाधा
6. सरित् - नदी , सरिता
7. सिंधु - सागर , समुद्र
8. आलोक - प्रकाश
9. ज्ञेय - जानकारी
10. श्रेय - यश , कल्याण , मंगल

(iii) उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : नवीन - आसीन

1. भाप - ताप
2. व्यवधान - विद्वान
3. शृंगार - अंगार
4. ज्ञेय - श्रेय
5. जीत - प्रीत

(iv) पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :

आज की दुनिया विचित्र , नवीन ;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
है बँधी नर के करों में वारि , विद्युत , भाप ,
हुम्म पर चढता उतरता है पवन का ताप।

V. पर्यायवाची शब्द लिखिए

1. दुनिया - जगत , विश्व
2. विचित्र - अजीब , अनोखी विभिन्न
3. नवीन - नये , आधुनिक
4. नर - आदमी , मनव
5. वारि - जल , पानी
6. कर - हाथ , हस्त
7. आगार - निदहि , बनटार

VI. विलोम शब्द लिखिए

1. आज x कल
2. नवीन x प्राचीन
3. चढ़ता x उतरता
4. समान x असमान
5. ज्ञान x अज्ञान
6. जीत x हार
7. असीमित x सीमित
8. तोड़ x जोड़

VII. एक शब्द लिखिए

जैसे : सभी जगहों में - सर्वत्र

1. आसन पर बैठा हुआ - आसीन
2. बचा हुआ - बाकी
3. मनु की संतान - मनुष्य
4. विशेष ज्ञान - ज्ञानी
5. अधिक विद्या प्राप्त - विद्वान

VIII अनुरूप शब्द लिखिए

1. गिरि : पहाड़ :: वारि : जल

2. पवन : वायु :: सिंधु : सागर

3. जमीन : आसमान :: आकाश : पताल

4. नर : आदमी :: उर : हृदय

IX एक वाक्य में उत्तर लिखिए

1. आज की दुनिया कैसी है?

उ: आज की दुनिया विचित्र, नवीन है।

2. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?

उ: मानव के हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।

3 परमाणु किसे देखकर काँपते हैं?

उ: परमाणु ~~किसे देखकर~~ मनुष्य को देखकर काँपते हैं।

4 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ: अभिनव मनुष्य कविता के रामधारीसिंह

दिनकर है।

5. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?

उ: आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय पायी है।

6. नर किन - किनको एक समान लाँघ सकता है?

उ: सरित गिरि सिन्धु एक समान लाँघ सकता है।

7. आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है?

उ: आज मनुज का यान गगन में जा रहा है।

प्र दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए

1. 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' - इस पंक्ति का आशय समझाइए।

उ: आज आधुनिक युग में मानव ने ज्ञान - विज्ञान के क्षेत्र में इतना आगे बढ़ गया है कि, वह प्रकृति के हर एक तत्व पर अपना अधिकार जमा लिया है। आज मानव ने प्रकृति के अनेक महत्वपूर्ण तत्वों को अपने नियंत्रण में कर लिया है। वारी

विद्युत और भाप अपनी इच्छानुसार प्रयोग कर सकता है। अपनी आज्ञानुसार पवन के प्राप को भी बदल सकता है।

2. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

उ: आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। परंतु कैसी विडंबना है कि उसने स्वंय को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा। प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है, मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँधा बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दुसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

3. इस कविता का दूसरा कौन-सा शीर्षक हो सकता है? क्यों?

उ: इस कविता का शीर्षक जो दिनकर जी दिए है - 'अभिनव मनुष्य' शीर्षक सार्थक है। अगर दूसरा शीर्षक दे सकते है तो 'प्रकृति और मानव'। क्योंकि प्रकृति पर विजयो प्राप्त करना मनुष्यकी साधना है। मानव - मानव के बीच स्नेह का बाँधा - बाँधना मानव का सिद्धि है। वह भाईचार मानवता का महत्व को समझना चाहिए।

प्र॰ भावार्थ लिखिए

यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।

उ॰ प्रस्तुत पद्यांश को 'रामधारी सिंह दिनकर' जी से रचित 'अभिनव मनुष्य' कविता से लिया गया है। यह मनुज सृष्टि का शृंगार है वह ज्ञान का विज्ञान का आलोक का आगार [निधि] है। ज्ञान विज्ञान से प्रकृति विजय पाया। व्योम [आकाश] से पाताल तक सबकी जानकारी है। पर मानव का सही परिचय है। पर मानव का सही परिचय यह नहीं है और ना ही श्रेय है। पर उसने मानव को ना पहचाना है और ना भाईचारे को समझा है।

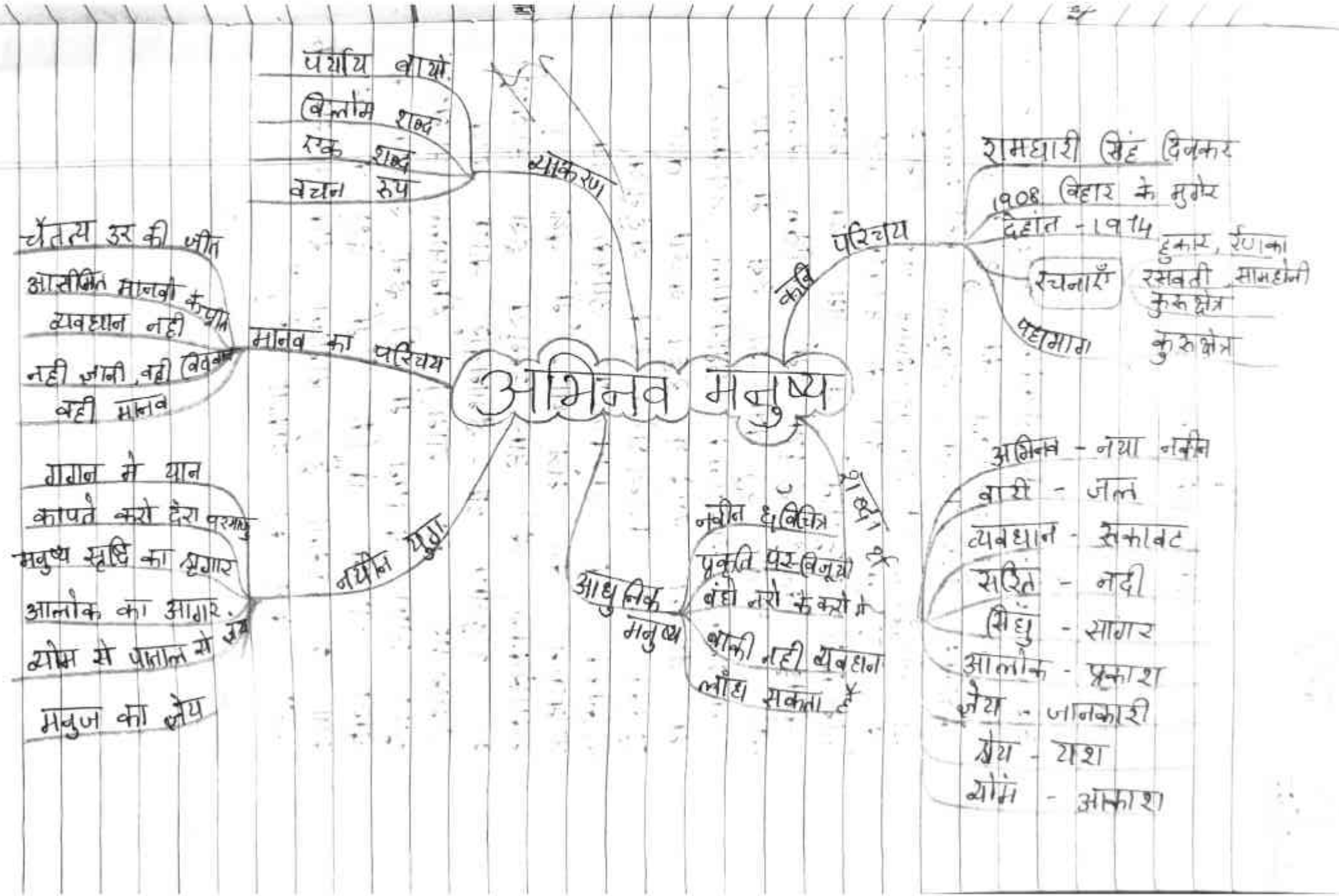

अभिनव मनुष्य
कवि परिचय
रामधारी सिंह दिनकर
1908 बिहार के मुंगेर
देहांत - 1974
रचनाएँ
हुंकार, रेणुका
रसवंती, सामधेनी
कुरुक्षेत्र
महाकाव्य
कुरुक्षेत्र
व्याकरण
पर्याय वाची
विलोम शब्द
एक शब्द
वचन रूप
मानव का परिचय
चैतन्य उर की जीत
आसीमित मानवी के प्राण
व्यवधान नहीं
नहीं ज्ञानी, नहीं विज्ञानी
वही मानव
नवीन युग
गगन में यान
काँपते करो देरा परमाणु
मनुष्य सृष्टि का श्रृंगार
आलोक का आधार
व्योम से पाताल से
मनुज का श्रेय
आधुनिक मनुष्य
नवीन धारित्र
प्रकृति पर विजय
बंधे नरो के करो में
बाकी नहीं व्यवधान
लाँघ सकता है
शब्दार्थ
अभिनव - नया नवीन
वारि - जल
व्यवधान - रूकावट
सरित - नदी
सिंधु - सागर
आलोक - प्रकाश
ज्ञेय - जानकारी
श्रेय - यश
व्योम - आकाश

15/7/25

पाठ
मेरा बचपन

लेखक परिचय

अउल फ़कीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम जी का जन्म 15-10-1931 को हुआ। बड़े वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी 25-07-2002 से 24-07-2007 तक हमारे देश के राष्ट्रपति थे। देश के आदर्श तथा 'जनवादी राष्ट्रपति' के नाम से भारत के करोड़-करोड़ हृदयों में प्रतिष्ठित कलाम जी अपनी 82 वर्षों की उम्र में भी अनेकानेक सामाजिक प्रगतिशील आंदोलनों में अत्यंत सक्रिय रहे। बच्चों तथा युवकों के चैतन्यशील एवं बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माणार्थ आपके नये अभियान का मंत्र था - 'मैं क्या दूँ?' स्वपरिवर्तन की ओर उन्मुख इस अभियान का उद्घोष था - ईमानदार कार्य एवं ईमानदार का नाम। 'होमपाल' अभियान द्वारा आप बचपन में ही इन सवालों को बोना चाहते थे कि "मैं देश के लिए क्या दे सकता हूँ? समाज एवं परिसर के लिए क्या कर सकता हूँ?"

II शब्दार्थ :

1. कस्बा - छोटा शहर
2. जीवन संगिनी - पत्नी
3. रोज़ाना - नित्य
4. कद - काठी - देह का गठन
5. समुचित - योग्य
6. पुश्तैनी - पैतृक, जो पीढ़ियों से चला आता हो, जो कई पीढ़ियों तक चला जाय
7. बहुल - बहुत, पौ फटना
8. मुहावरा - प्रभात होना
9. बुनियाद - नींव
10. भरसक - या शक्ति
11. काम आना [मुहावरा] - इस्तेमाल होना
12. तट - किनारा
13. रफ़्तार - गति
14. रेत - बालू
15. असर - प्रभाव
16. जुमला - कुल
17. महसूस - जिसका ज्ञान या अनुभव हो
18. ठेका - a contract [नियत समय या दर पर कोई काम या बात करने - कराने का इकरार]
19. हतप्रभ - निस्तेज, शिथिल
20. करीबन - लगभग
21. स्तर - मान
22. उपलब्धि - प्राप्ति
23. दायरा - कार्यक्षेत्र वृत्त
24. अक्सर - प्राय: अधिकतर
25. वितरक - बाँटनेवाला

26. कारोबार - कार्य व्यापार

iii) अन्य वचन रूप लिखिए

1. बच्चा - बच्चे
2. गली - गलियाँ
3. केला - केले
4. नौका - नौकाएँ
5. प्रतियाँ - प्रति
6. पुस्तकें - पुस्तक

iv) विलोम शब्द लिखिए

1. बहुत × कम
2. शाम × सुबह
3. सफल × असफल
4. अच्छा × बुरा
5. बड़ा × छोटा
6. अपना × पराया

v) जोड़कर लिखिए

1. मेरे पिता - जैनुलाबदीन
2. मद्रास राज्य - तमिलनाडु
3. शम्सुद्दीन - चचेरे भाई
4. अहमद जलालुद्दीन - अंतरंग मित्र
5. पक्का दोस्त - समानंद शास्त्री

(i) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. आशियम्मा उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थीं।

2. रामेश्वरम् प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।

3. अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे।

4. पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।

5. अहमद जलालुद्दीन की बड़ी बहन जोहरा के साथ शादी हो गई।

(ii) अनुरूपता

1. गांधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : राष्ट्रपति

2. जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन : चचेरे भाई

3. ट्रेन : भू - यात्रा :: नौका : जल - यात्रा

4. हिंदू : मंदिर :: इस्लाम : नमाज़ मस्जिद

(iii) सही शब्द से खाली स्थान भरिए

1. अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम् में हुआ।

अ चेन्नै
आ बेंगलूरु
इ रामेश्वरम्
ई श्रीरंगम्

रामेश्वरम् में प्रतिष्ठित शिव मंदिर है।

2 अ विष्णु
आ अय्यप्पा
इ हनुमान
ई शिव

3. जैनुलाबदीन की दिनचर्या पौ फटने के पहले शुरू होती थी।
अ पौ फटने
आ सूर्यास्त
इ दोपहर
ई शाम

4 अहमद जलालुद्दीन अब्दुल कलाम को आज़ाद कहकर पुकारा करते थे।
अ अब्दुल
आ आज़ाद
इ राष्ट्रवादी
ई कलाम

प्र पर्यायवाची शब्द लिखिए

1. घर - मकान
2. बुनियाद - आधार
3. शाम - सुर्यस्त
4. शरीर - देह
5. दोस्त - मित्र, सहपाठी

प्र उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया शब्दों को लिखिए :

1.	पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
2.	देखना	दिखाना	दिखवाना
3.	सुनना	सुनाना	सुनवाना
4.	करना	कराना	करवाना
5.	जगना	जगाना	जगवाना
6.	भेजना	भेजाना	भेजवाना
7.	चलना	चलाना	चलवाना
8.	बैठना	बैठाना	बैठवाना
9.	रोना	रुलाना	रुलवाना
10.	धोना	धुलाना	धुलवाना
11.	देना	दिलाना	दिलवाना

प्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए

1. अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ?
उ: मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम् कस्बे में एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ।

2. अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे?
उ: कलाम जी अपने पुश्तैनी घर में रहते थे

3. अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?
उ: बाल्यकाल में पुस्तकें एक दुर्लभ वस्तु की तरह हुआ करती थीं।

अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे,
उ. 4 अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

प्र॥ दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए

1. अब्दुल कलाम को बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।

उ. कलाम जी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो - आराम वाली चीजों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीजे समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। वास्तव में वे कहूँगे कि मेरा बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता - भौतिक एवं भावनात्मक दोनों ही दृष्टियों से।

2 आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या - क्या देती थीं?

उ. कलाम जी अपनी माँ के साथ ही रसोई में नीचे बैठकर खाना खाया करता था। वे मेरे सामने केले का पत्ता बिछती और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती, साथ में घर बना अचार और ताजी चटनी भी होती।

3. जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे?

उ: जब कलाम जी प्रश्न पूछने लायक बड़ा हुआ तो मैंने पिताजी से नमाज की प्रासंगिकता के बारे में पूछा। वे कहते - 'जब तुम नमाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

4. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरू किया

उ: पिताजी ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया। ये नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम् से धनुषकोडि [सेतुकराई भी कहा जाता है] तक लाने-ले जाने के काम आती थीं। एक स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दी के साथ पिताजी समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे।

XIII. चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे?

उ: दूसरे जिस व्यक्ति का मेरे बाल-जीवन पर गहरा असर पड़ा, वह मेरे चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे। अखबार रामेश्वरम् स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम् में अखबारों की जुमला एक हजार प्रतियाँ बिकती थीं।

मेरा बचपन
लेखक परिचय
डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
जन्म - 15/10/1931
स्थान - रामेश्वरम के तमिलनाडु
बहुमुखी व्यक्तित्व
होमपाल अभियान
जनवादी राष्ट्रपति
शब्दार्थ
कस्बा - छोटा शहर
पुश्तैनी - पैतृक
भरसक = यथा शक्ति
पौ - फटना -
हतप्रभ - शिथिल
रामेश्वरम
तीर्थस्थल
हिन्दु मुसलमान पड़ोसी
मसजिद वाली गली
पक्षी लक्ष्मण शास्त्री [मुख्य पुजारी]
नमाज का महत्व
जलालुद्दीन
अंतरंग मित्र
आजाद
जीजा
नई दुनिया का बोध
अंग्रेजी जानते था
पिता की दिनचर्या
नौकार तुफान में बह जाना
नौकार बनवाने थे
पौ फटने से पहले
नारियल के बाग
परिवार
जन्म
[मद्रास राज्य] रामेश्वरम
15/10/1931
राष्ट्रपति 2002 से 2007
माता - पिता
जैनुलाबदीन
आशियम्मा
आदर्श दंपति
पुश्तैनी घर
मसजिदवाली गली में
पक्का सा घर
ऐशो आरामवाली चीजों से दूर
निश्चिंतता और सादगी
खाना
माँ के साथ रसोई में
केले - पत्ता चावल
साबार चटनी अचार

२५/७/२५

(पूरक वाचन
(शनि: सबसे सुंदर ग्रह
- गुणाकर मुले)

प्रश्न उत्तर लिखिए:

1. सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?

उ: सौर-मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति है।

2. सौर-मंडल मे शनि ग्रह का स्थान क्या है?

उ: शनि सौर-मंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है।

3. पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है?

उ: हमारी पृथ्वी सूर्य से करीब 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है।

4. शनि किसका पुत्र है?

उ: पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि महारा० सूर्य के पुत्र हैं।

5. 'शनैः चर' का अर्थ क्या है?

उ: 'शनैः चर' का अर्थ होता है- धीमी गति से चलनेवाला।

6. सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है?

उ: शनि ग्रह अत्यंत मंद गति से करीब तीस वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है।

7. शनि एक राशि में कितने सालो तक रहता है?

उ: यह एक राशि मे करीब ढाई साल तक रहता है।

8. बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है?

उ: बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है।

9. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है?

उ: बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

10. सौर - मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह कौन - सा है?

उ: बृहस्पति का गैनीमीड उपग्रह सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है।

(HOTS QUESTIONS)

1. शनि एक अत्यंत ठंडा ग्रह है क्यु ?

उ: शनि ग्रह ~~अधिक~~ सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर है ; इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है. पृथ्वी का मात्र सौवा हिस्सा। इसलिए शनि के वायुमडंल का तापमान शून्य के नीचे 150° सेटीग्रेड के आसपास रहता है। शनि अत्यनता ठंडा ग्रह है।

2. शनि के उपग्रह के बारे में लिखो ?

उ: अभी दो दशक पहले तक शनि के दस उपग्रह खोजे थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या 17 पर पहुँच गई है। धरती से भेजे ~~गन~~ गये स्वचालित अतरिक्षयान पायोनियर तथा वायजर शनि के नजदीक पहुँचे और इन्हीं के ज़रिए इस ग्रह के सात नए उपग्रह खोजे गये। शनि के और भी कुछ चंद्र हो सकते हैं।

3. शनि को शैन: चार क्यो कहते है ?

उ: अभी दो दशक पहले तक शनि के दस उपग्रह खोजे थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या 17 पर पहुँच गई है। धरती से भेजे गये स्वचालित अतरिक्षयान पायोनियर तथा वायजर शनि के नज़दीक पहुँचे और इन्हीं के ज़रिए इस ग्रह के सात नए

उपग्रह खोजे गये। शनि के और भी कुछ चंद्र हो सकते हैं।

4. शनि के सतह पर उतर नही सकता क्यो?

उ: शनि की सतह के बारे में हमे कोई जानकारी नही है। हम केवल इसके चमकीले बाहनी वायुमंडल को ही देख सकते हैं। शनि के केंद्रभाग मे ठोस गुठली होनी चाहिए। लेखिन चंद्रमा मंगल था। शुक्र की तरह शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नही होगा।

5. शनि सबसे सुदंर ग्रह है कैसे?

उ: शनि को यदि दूरबीन से देखा जाये, तो इस ग्रह के चहुँ ओर वलय [गोल] दिखाई देते हैं। प्रकृति ने इस ग्रह के गले मे खूबसूरत हार डाल दिया है। शनि के इन वलयो या कंकणों ने इस ग्रह को सौर-मंडल का सबसे सुदंर एवं मनोहर ग्रह बनाया है। वसुतः शनि सौरः माडंल का सर्वाधिक सुदंर ग्रह है।

6. सौर-मंडल मे शनि ग्रह का स्थान क्या है?

उ: शनि सौर-मंडल का दुसरा बडा ग्रह है।

7 शनि का सबसे बड़ा उपग्रह कौन सा है?

3 शनि का सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन है।

31/7/25

01/8/25

पाठ
बसंत की सच्चाई

I. कवि परिचय

विष्णु प्रभाकर [1912 - 2009]

मानव - जीवन का यथार्थ चित्रण करनेवाले लेखकों में विष्णु प्रभाकर जी का महत्वपूर्ण स्थान है। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के मीरपुर में सन् 1912 ई. मे हुआ। पंजाब में शिक्षा पाकर वहीं 15 वर्ष तक उन्होंने सरकारी नौकारी की। सन् 1955 में आकाशवाणी के दिल्ली केंद्र में नाटक निर्देशक बने। डेढ़ वर्ष बाद ~~बाद~~ वहाँ से त्यागपत्र दिया और तब से स्वतंत्र साहित्यिक के रूप मे जीवन यापन कर रहे थे।

II. शब्दार्थ:

1. राह - रास्ता, मार्ग
2. दियासलाई - ~~ಬೆಂಕಿಕಡ್ಡಿ~~, Matchstick
3. छलनी - जालीदार ~~छोटा~~ उपकरण
4. एक आना - छः पैसे
5. रुआँ - सा - रोने जैसे
6. अहीर - ग्वाला
7. ओठ - भींचना - दर्द सहन करना
8. फरीवाले - घूम - फिरकर सामान बेचनेवाले व्यापारी
9. भुना लाना - बड़े सिक्के को चिल्लर / छुट्टे के रूप मे बदलना
10. ओसारा - बरामदा, घर के आगे का भाग

11. शक्ल - स्वरूप , आकृति
12. व्यग्रता - व्याकुल , उद्विग्न , बेचैन

(iii) अनुरूपता :

1. पं. राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : अहिर टोल

2. पं. राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : फेरी वाला

3. पं. राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह : नौकर

4. प्रताप : छोटा भाई :: वर्मा : डॉक्टर

5. ? : प्रश्नार्थक चिह्न :: ! : विस्मयादि बोधक चिह्न

(iv) रिक्त स्थान भरिए :

1. मैं अभी बाज़ार से भुना लाता हूँ।

2. मैं आपके साढ़े चौदह आने लाया हूँ।

3. हम दोनों भीकू आहिर के घर में रहते हैं।

4. मैं एम्बुलन्स के लिए फोन कर आता हूँ।

5. इसमें एक दुर्लभ गुण है, यह ईमानदार है।

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए

1. एक छलनी में तुम्हें क्या बचेगा ? [वर्तमानकाल]

उ: एक छलनी मे तुम्हें क्या बचता है ?

2. मै अभी बाज़ार से शुग लाता हूँ [भूतकाल]

उ: मैं बाज़ार से शुग लाया था।

3. एक दूसरे व्यक्ति से पूछता है। [भविष्यत्काल]

उ: एक दूसरे व्यक्ति से पूछेगा है।

VI. विलोमार्थक शब्द लिखिए

1. पीछे × आगे

2. खरीदना × बेजना

3. लेना × देना

4. आना × जाना

5. शांति × अशांति

6. गरीब × अमीर

iii. लिंग पहचानकर अलग-अलग सूची बनाइए और उनके अन्य लिंग शब्द लिखिए

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1.	लड़का	लड़की
2.	बच्चा	बच्ची
3.	दुबला	दुबली
4.	पतला	पतली
5.	थैला	थैली
6.	साहबा	साहिबा
7.	भाई	बहन
8.	बाप	माँ
9.	डॉक्टर	डाक्टरिन
10.	पंडित	पंडिताइन

iv. रेखांकित शब्द का वचन पहचानिए और उस शब्द का अन्य वचन रूप लिखिए

1. फिर वे जेब टटोलते हैं। जेब
2. अंदर से आवाज आती है। आवाजें
3. एक लड़के की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई हैं। टांग
4. बसंत आँखें बंद कर लेता है। आँखें
5. लोग अपने-अपने घर लौट रहे हैं। घर
6. लोग घर की ओर लौट रहे हैं। लोग
7. मजदूरों की बस्ती में राजकिशोर का मकान है। मकान
8. बसंत के दोनो पैर कुचले गए। पैर
9. मेरे पास पैसे नहीं हैं। पैसा

10. उसका कपड़ा फटा है। कपड़ो
11. राजकिशोर खिड़की से झाँकते है। खिड़कीया
12. बसंत के पैर की हड्डी टूट गयी है। हड्डीया

Ⅸ एक वाक्य मे उत्तर लिखिए

बसंत क्या क्या बेचता था?
उ: बसंत छलनी, बटन और दियासलाई बचेता था।

2. बसंत के भाई का नाम क्या है?
उ: बसत के भाई का नाम प्रताप है।

3. पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे?
उ: पंडित राजकिशोर लैक्चर देते है।

छलनी का दाम क्या था?
4. उ: छलनी का दाम दो आना कीमत है।

5. बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?
उ: बसंत और प्रताप दोनो अहीर टीले के भीखू अहीर के घर में रहते है।

6. 'बसंत की सच्चाई' एकांकी मे कितने दृश्य है?
उ: 'बसंत की सच्चाई' एकांकी में तीन (3) दृश्य है।

7. एकांकी का प्राथम दृश्य कहाँ घटता है?
उ: एकांकी का प्राथम दृश्य बाजार घटता है।

8. बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है?

उ: बसंत के घर पर डॉक्टर को

9. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण कौन-सा है?

उ. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत मे निहित दुर्लभ गुण वह ईमानदार है।

10. पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे?

उ: पं. राजकिशोर किशनगंज में रहते ~~थे~~ है।

ख दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. छलनी से क्या-क्या कर सकते है?

उ: छलनी से दूध छान सकते है या चाय छान सकते है।

2. बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है?

उ: बसंत राजकिशोर से, साहब, सबेरे से अब तक कुछ नही बिका। अपसे आशा थी। साहब! एक तो ले लीजिए।

3. बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यो इनकार करता है?

उ: जब राजकिशोर बसंत को दो पैसे देता है तो बसंत उसे इनकार करता है क्यो की यह दो पैसे भिख है। बसंत कहता है मैं भीख नही लूगाँ। बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का था।

4. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ?

उ: बसंत नोट भुनाने बाज़ार गया था। मगर जब भुनाकर लौट रहा था तो मोटर के नीचे आ गया। मोटर उसने ऊपर से निकल गई। उसके दोनो पैर कुचल गया। इसलिए वह नही लौटा।

5. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ?

उ: बसंत नोट भुनाने गया लेकिन आते समय मोटर दुर्घटना होकर उसके दोनो पैर कुचले गये। जब उसे होश आने पर अपने छोटे भाई से साढ़े चौदह आने देने को लिए कहता है। इसलिए वह भूना देने बसंत राजकिशोर के घर आया था।

6. बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया ?

उ: बसंत राजकिशोर को प्रेरित करता है कि, साहब एक छलनी ले लीजिए सिर्फ दो आना कीमत है। राजकिशोर बार मना करते है तो कहता है आच्छा छः पैसे मे खरीद लिजिए। साहब सवेरे से अब तक कुछ नही बिका साहब अब से आशा थी। एक तो ले लीजिए साहब।

7. बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा ?

उ: पंडित जी! ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। संकीन करके देखना होगा। दूसरा पैरठी है। पर इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।

ख) चार - छः वाक्यो में उत्तर लिखिए।

1. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?

उ: बसंत ईमानदार लड़का है क्योंकि, बसंत मेहनत से चीज चाहता था। इस कारण वह बाजार मे चीजे बेचता है। मोटर दुर्घटना में उनकी हड्डी टूटने पर भी वह अपने भाई प्राप से पं. राजकिशोर के घर उनके चिल्लर पैसे देने भेजता है। प. राजकिशोर बसंत उस पैसे लेने से इनकार करता है। क्योंकि वह उसे भीख समझता है, वह भीख लेना नहीं चाहता है।

2. बसंत और प्रताप अहीर के घर मे क्यों रहते है?

उ: बसंत और प्रताप अहीर के घर में रहते थे क्योंकि, वे अनाथ और गरीब थे। उनका कोई खाय घर नही था। उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। दंगो के दिनो में उन्हे किसी ने

मार डाला।

3. राजकिशोर के मानवीय व्यहार का परिचय दिजिए।

उ: पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। वे गरीबों के प्रति हमेशा हमदर्दी दिखाते थे। इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलते खरीदा उसका भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था। प्रताप दवारा मोटर दुर्घटना के विषय मालूम होने पर वे सीछे अहीर टीले मे रहने वाला घर जाता हैं। वहा डॉक्टर को भी बुलाता है और उसे चिकित्सा करवाता हैं। इससे पता चलाते हैं कि पं. राजकिशोर के मानवियत अत्यंत उच्च स्थान मे हैं।

XII कन्नड़ या अंग्रेजी मे अनुवाद कीजिए

उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है।

उ: ಅವರ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು ೧೨ ವರ್ಷ ಆಗಿದೆ.

सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका।

2 उ: ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಏನೂ ಮಾರಾಟ ಆಗಲಿಲ್ಲ.

मैं भीख नही लूगाँ।

3 उ: ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.

बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए।

4 उ: ಬಸಂತ ಬಹಳ ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ

ಕರೆದು ಕೊಂಡು ಹೋದೆವು.

5\. बसंत ओठ भींचकर आह खींचता है।

उ: ಬಸಂತ ಶಿಟನಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾ ನೋವಿನಿಂದ ಎಳೆಯುತ್ತಿದನು.

6\. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है।

उ: ಇವನು ಬಡವನಾದರೂ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಪರೂಪದ ಗುಣವಿದೆ.

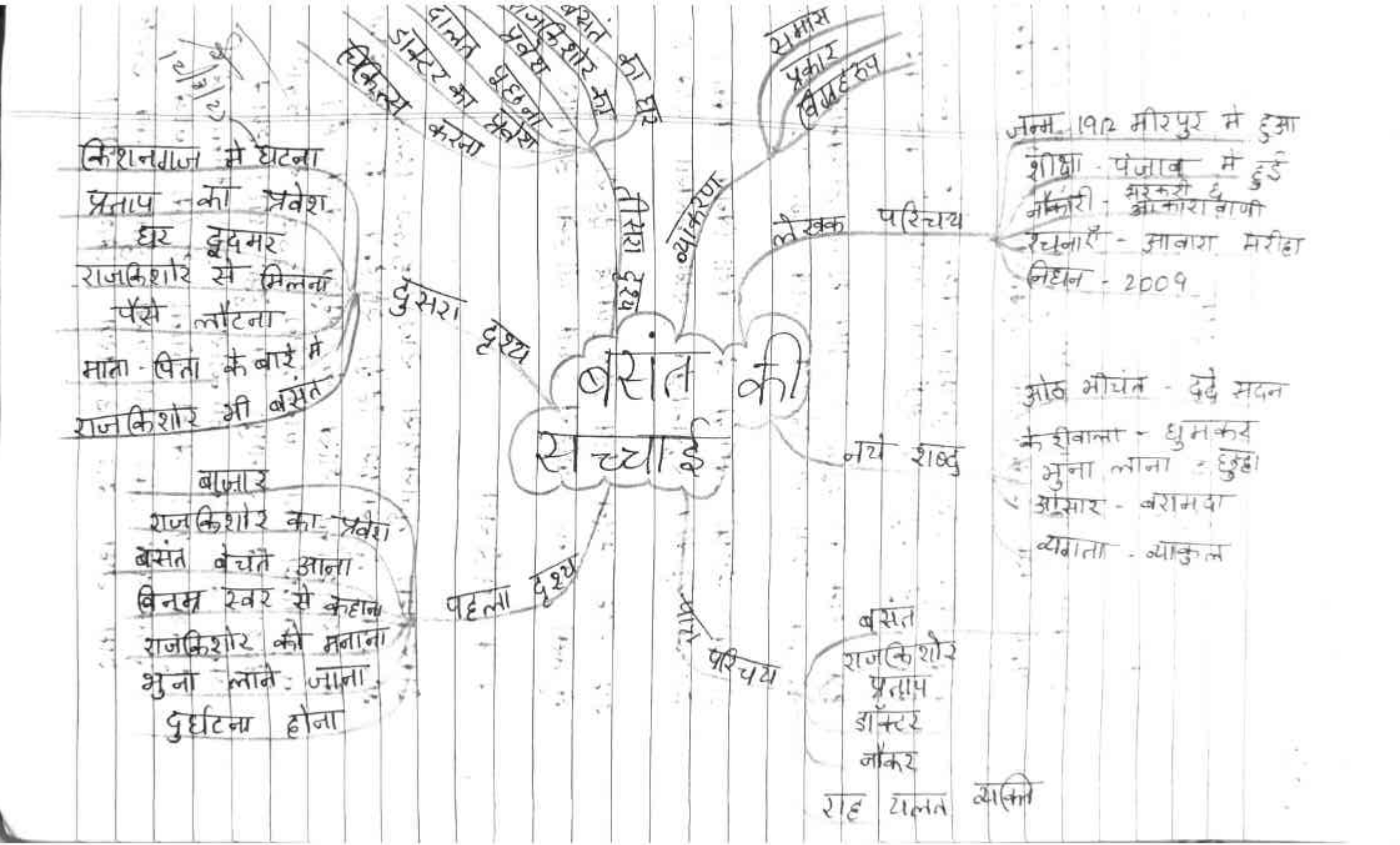

12/3/23

बसंत की सच्चाई

- **लेखक परिचय**
  - जन्म 1912 मीरपुर मे हुआ
  - शिक्षा पंजाब मे हुई
  - नौकरी सरकारी & आकाशवाणी
  - रचनाएँ - आवारा मसीहा
  - निधन - 2009
- **व्याकरण**
  - समास
  - प्रकार
  - विग्रह रुप
- **नये शब्द**
  - ओठ भींचना - दर्द सहन
  - फेरीवाला - घुमकर
  - भुना लाना - छुड़ा
  - ओसार - बरामदा
  - व्यग्रता - व्याकुल
- **पात्र परिचय**
  - बसंत
  - राजकिशोर
  - प्रताप
  - डॉक्टर
  - नौकर
  - राह चलता व्यक्ति
- **पहला दृश्य**
  - बाजार
  - राजकिशोर का प्रवेश
  - बसंत बेचते आना
  - विनम्र स्वर से कहना
  - राजकिशोर को मनाना
  - भुना लाने जाना
  - दुर्घटना होना
- **दूसरा दृश्य**
  - किशनगंज मे घटना
  - प्रताप का प्रवेश
  - घर ढूंढकर
  - राजकिशोर से मिलना
  - पैसे लौटाना
  - माता-पिता के बारे मे
  - राजकिशोर भी बसंत
- **तीसरा दृश्य**
  - बसंत का घर
  - राजकिशोर का प्रवेश
  - हालत पूछना
  - डाक्टर का प्रवेश
  - चिकित्सा करना

16/8/25

दोहा
तुलसी के दोहे

i दोहे

मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान के एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक॥

जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार॥

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट मे प्राण

तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसा एक॥

राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार॥

ii कवि परिचय

गोस्वामी तुलसीदास सन् [1532-1623]
गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की रामभक्ति शाख के प्रमुख कवि हैं। तुलसीदास का जन्म सन् 1532 में उत्तर प्रदेश के राजापुर मे हुआ था। उनके पिता का नाम आत्माराम और माता का हुलसी था। कहा जाता है कि जब तुलसीदास जी का जन्म हुआ, तब उन्होंने राम नाम का उच्चारण किया था।

इसलिए उनके बचपन का नाम 'रामबोला' पड़ा। तुलसीदास भगवान राम के अनन्य भक्त थे।
उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं - रामचरित मानस, विनय - पत्रिका, गीतावली, दोहावली कवितावली आदि। सन् 1623 को काशी में उनका देहांत हुआ।

iii. शब्दार्थ :

1. मुखिया - नेता
2. सकल - संपूर्ण
3. विस्व - संसार
4. कीन्ह - किया
5. करतार - सृष्टिकर्ता
6. पय - दूध
7. परिहरि - त्यागना
8. वारि - पानी
9. घट - शरीर
10. विपत्ति - संकट
11. सुकृति - अच्छे कार्य
12. जीह - जीभ
13. चाहसी - चारो ओर

iv. अनुरूपता :

1. दया : धर्म का मूल :: पाप : अभिमान
2. परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता
3. जीह : जीभ :: देहरी : द्वार

(v) जोड़कर लिखिए

1. विश्व कीन्ह — करतार

2. परिहरि वारि — विकार

3. जब लग घट — में प्राण

4. सुसत्यव्रत — राम भरोसो एक

(vi) पूर्ण कीजिए

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।

2. पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।

3. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।

4. तुलसी भीतर बाहिरौं, जो चाहसी उजियार।

(vii) उचित विलोम शब्द पर सही [✓] का निशान लगाइए:

1. विवेक — सेवक [ ] — अविवेक [✓]

2. दया — निर्दया [✓] — शुभोदया [ ]

3. धर्म — मर्म [ ] — अधर्म [✓]

4. विकार — अविकार [✓] — संस्कार [ ]

5. विनय — सविनय [ ] — अविनय [✓]

VIII एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं ?
उ: तुलसीदास मुख को मुखिया मानते हैं।

2. मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ?
उ: मुखिया को मुँह के समान रहना चाहिए।

3. हंस का गुण कैसा होता है ?
उ: विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाते हैं।

4. मुख किसका पालन पोषण करता है ?
उ: मुँह खाने पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन - पोषण करता है।

5. दया किसका मूल है ?
उ: दया दर्म का मूल और अभिमान पाप का मूल है।

6. तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं ?
उ: तुलसीदास हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि हैं।

7. तुलसीदास के माता - पिता का नाम क्या था ?
उ: तुलसीदास के माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम था।

8. तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था
उ: जब तुलसीदास जी का जन्म हुआ, तब उन्होंने राम नाम का उच्चारण किया था। इसलिए उनके बचपन का नाम 'रामबोला' पड़ा।

9. पाप का मूल क्या है?
उ: पाप का मूल अभिमान है।

10. तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन है?
उ: मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक ही इसका साथ निभाते हैं।

ख दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। कैसे?
उ: मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

2. मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

उ: तुलसीदास हंस पक्षी के साथ संत की

तुलना करते हुए उसके स्वभाव का परिचय देते हैं - सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़-चेतन और गुण-दोष मिलाकर बनाया है। अर्थात्, इस संसार में अच्छे-बुरे [सार-निस्सार], समझ-नासमझ के रूप में अनेक गुण-दोष भरे हुए हैं, लेकिन हंस रूपी साधु लोग विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाते हैं।

3. मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है?

उ: तुलसीदास जी कहते हैं कि जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

4. भावार्थ लिखिए:

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक

उ: प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास मुख अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है। लेकिन वह जो खाता-पीता है

उससे शरीर के सारे अंगों का पालन पोषण करता है। तुलसी की राय मे मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

---

2. तुलसी साभी विपत्ति के विद्या, विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसा एक

3: प्रस्तुत दोहे मे तुलसीदास जी कह रहे हैं कि मनुष्य पर विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

28/08/25

पाठ

इंटरनेट - क्रांति

I शब्दार्थ :

1. दायरा - क्षेत्र, सीमा
2. तकनीकी - प्रौद्योगिकी, Technology
3. नजरिया - दृष्टिकोण
4. सुझाव - सलाह
5. अनगिनत - असंख्य
6. खबर - समाचार
7. व्यय - खर्च करना
8. सूचना - जानकारी, Information
9. ठप पड़ना - बंद होना
10. रकम - धनराशि
11. खोज - शोध, अन्वेषण
12. अभिलेख - लिखित
13. विवरण - Record
14. यथावत् - जैसे के वैसे
15. पैरसी - चुराकर नकली प्रतियाँ बनाना, Piracy.
16. फ्रॉड - धोखा, fraud
17. पाश - बंधन, फंदा
18. हासिल करना - प्राप्त करना
19. इनफारमेशन टैक्नोलाजी - सूचना प्रौद्योगिकी

II टिप्पणी :

1. संचार माध्यम - समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए

किया जाता है।

2. वीडियो कान्फरेन्स - Video Conference - एक समागार जिसमें कई लोगों के साथ 8-10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

3 इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस - सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा संभाव्य सेवाएँ - सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा प्राप्त करायी जानेवाली सेवाएँ, जैसे - बी.पी.ओ।

4. कबंध बाँहें - कबंध नामक एक राक्षस था जिसकी बाँहें लंबी होकर कहीं भी पहुँच सकती थी। कहा जाता है कि जब उसने अपनी बाहों में श्रीराम तथा लक्ष्मण को फँसाया था, तब श्रीराम ने उसकी बाँहों को काट दिया था। प्रस्तुत पाठ में इंटरनेट के व्यापक प्रभाव को दिखाने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

5. दिन - प्रतिदिन तकनीकी - परिवर्तन होता रहेगा। उसके अनुरूप इंटरनेट क्षेत्र में भी परिवर्तन होते रहेंगे।

III अनुरूपता :

1. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर्जाल

2. आई. टी : इनफारमेशन : टैक्नोलाजी : आई. टी.
ई. एस. : इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबलड सर्विसेस

3. फेसबूक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप

4. विडियो कान्फरेन्स : विचार विनिमय : ई प्रशासन ई. गवर्नेन्स [पारदर्शी]

IV जोड़कर लिखिए :

1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ (3)

2. इंटरनेट द्वारा कोई भी सचेत रहना चाहिए (5)

3. इंटरनेट समाज के लिए बिल भर सकते हैं (2)

4. इंटरनेट की वजह से एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है। (1)

5. इंटरनेट से सबको पैरसी, हैकिंस आदि बढ़ रही है। (4)

V रिक्त स्थान भरिए

1. इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतर्जाल है।

2. आई. टी. और आई. टी. ई. एस से अनगिन लोगों को रोजगार मिला है।

3. सोशल नेटवर्किंग के कई साइटस हैं।

4. ई. गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

5. इंटरनेट सचमुच एक वरदान है।

6. देश के रक्षादलों की कार्यवाही मे इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

7. इंटरनेट एक ओर वरदान है तो वह अभिशाप भी है।

VI सही विलोम शब्दों को चुनकर लिखिए

बढ़ना × घटना

1. स्थिर × अस्थिर
2. मुमकिन × नामुमकिन
3. वरदान × अभिशाप
4. दुरुपयोग × सदुपयोग
5. अनुपयुक्त × उपयुक्त
6.

VII अन्य वचन रूप लिखिए

1. पैसा - पैसे	1. खबर - खबरें
2. परदा - परदे	2. किताब - किताबें
3. कमरा - कमरे	3. जगह - जगहें
4. दायरा - दायरे	4. कोशिश - कोशिश

1. युग - युग	1. जिंदगी - जिंदगियाँ
2. कंप्यूटर - कंप्यूटर	2. जानकारी - जानकारियाँ
3. दोस्त - दोस्त	3. चिट्ठी - चिट्ठियाँ
4. रिश्तेदार - रिश्तेदार	4. जीवनशैली - जीवन-शैलियाँ

VIII इन वाक्यों में प्रयुक्त चिह्नों का नाम लिखिए

1. आज का युग इंटरनेट युग है।
उ. पूर्ण विराम

2. इंटरनेट का मतलब क्या है?
उ. प्रश्न चिह्न

3. बड़ा अच्छा सवाल है।
उ. भावसूचक विस्मयादिबोधक चिह्न

4. लोगों के साथ विचार - विनिमय कर सकते हैं।
उ: योजक चिह्न

5. हाँ हाँ दुष्परिणाम है।
उ: अल्प विराम

प्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए ?

1. इंटरनेट का अर्थ क्या है ?

उ: इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतर्जाल [नेटवर्क] है, जिसकी वजह से पूरे विश्व का विस्तार एक गाँव का-सा छोटा हो गया है।

2. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है ?

उ: इंटरनेट - बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3. प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं ?

उ: भारत जैसे प्रगतिशील राष्ट्र - ई-गवर्नेन्स [ई - प्रशासन] द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

4. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है ?

उ: इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे - चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, आदि। यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का

बहुत बड़ा योगदान है।

5. इंटरनेट क्रांति का असर किस पर पड़ा है?

उ: बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट - क्रांति का असर पड़ा है।

6. आई. टी. ई. एस का विस्तृत रूप क्या है?

उ: आई. टी. [इनफारमेशन टैक्नोलाजी] और आई. टी. ई. एस [इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस] संस्थाओं का प्रवेश इंटरनेट से संभव हुआ है।

दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए

1. इंटरनेट का मतलब क्या है?

उ: इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे - से संबंध स्थापित करने का जाल है। आज इनसान के लिए खान - पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

उ: इंटरनेट द्वारा घर बैठे - बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर

सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट - बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3. ई - गवर्नेंस क्या है?

उ: ई - गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

XI चार - छः वाक्यों में उत्तर लिखिए

1. संचार व सूचना के क्षेत्र मे इंटरनेट का क्या महत्व है?

उ: कुछ साल पहले दूर रहते रिश्तेदार या दोस्तों को कोई खबर देनी पड़ती तो हमें चिट्ठी लिखनी पडती थी या दूरभाष का उपयोग करना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों का अधिक व्यय होता था। लेकिन इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। तुम चाहो तो पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में

कहीं भी भेज सकते हो। इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।

2. 'वीडियो कान्फरेन्स' के बारे में लिखिए।

उ: 'वीडियो कान्फरेन्स' द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।

3. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उ: 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स है, जैसे - फेसबुक, आरकुट, टिवट्टर, लिंकडइन आदि। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

4. इंटरनेट से कौन-सी हानियाँ हो सकती हैं?

उ: इंटरनेट एक ओर वरदान है, तो दूसरी

और वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग [सूचना / खबरों की चोरी] आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं। इसलिए आप लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए।

पाठ

ईमानदारों के सम्मेलन में

I लेखक परिचय

कलम को लेखक की तलवार माननेवाले श्री हरिशंकर परसाई हिन्दी साहित्य जगत् की एक बेजोड़ निधि हैं। इनका जन्म मध्यप्रदेश के जमानी गाँव में 22 अगस्त 1924 को हुआ था। इनकी कुछ प्रमुख रचनाएँ हैं - हँसते हैं रोते हैं, भूत के पाँव पीछे, सदाचार का तावीज़, वैष्णव का फिसलन आदि। हिन्दी के व्यंग्य साहित्य के विकास में इनका योगदान अद्वितीय है।

II शब्दार्थ :

1. चर्दाफाश - अनावरण
2. कतई - हरगिज, कभी भी
3. हलफिया - कसम से
4. तकलीफ - शानदार - वैभवयुत
5. डेलीगेट - Delegate, प्रतिनिधि
6. जलसा - समारोह, उत्सव
7. हिचक - संकोच
8. गनीमत - खुशी की बात
9. चश्मा - ऐनक
10. कागज़ात - कागज - पत्र
11. हल्ला - शोर
12. इतमीनान - भरोसा, विश्वास
13. हरारत - हल्का ज्वर

14. हरगिज - बिल्कुल, किसी दशा में भी
15. सिरहाना - तकिया

III अनुरूपता

1. पहला दिन : चप्पलें गायब थीं :: दूसरे दिन : चश्मा

2. तीसरे दिन : कम्बल गायब था :: चौथे दिन : ताला

3. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल : दो पहियों वाहन

4. रेलगाड़ी : पटरी :: हवाईजहाज : आसमान

IV रिक्त स्थान भरिए

1. हम लोग इस शहर में एक ईमानदारों का सम्मेलन कर रहे हैं।

2. मेरी चप्पलें गायब थीं।

3. वह मेरा चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।

4. फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

(i) विलोम शब्द लिखिए :

1. आगमन × निर्गमन
2. रात × दिन
3. जवाब × सवाल
4. बेचना × खरिदना
5. सज्जन × दुर्जन

(ii) बहुवचन रूप लिखिए

1. कपड़ा - कपड़े
2. चादर - चादरें
3. बात - बातें
4. डिब्बा - डिब्बे
5. चीज़ - चीजें

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

1. ठहरना - ठहराना ठहरवाना
2. धोना धोलाना धोलवाना
3. देखना दिखाना दिखवाना
4. लौटना लौटाना लौटवाना
5. उतरना - उतराना उतरवाना
6. पहनना - पहनाना पहनवाना

vii) संधि - विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए

1. स्वागत - सु + अगत - यूण संधि

2. सहानुभूति - सह + अनुभूति - दीर्घ संधी

3. सज्जन - सच् + जन - व्यंजन संधी

4. परोपकार - पर - उपकार - गुण संधी

5. निश्चेंत - निः + चिंत - विसर्ग संधि

6. सदैव - सदा + एव - वृद्धि संधि

ix) दिए गए निर्देशानुसार वाक्य बदलिए :

1. मेरे पास चप्पल नहीं थी। [वर्तमानकाल में]
उ: मेरे पास चप्पल नहीं है।

2. एक बिस्तर की चादर गायब है। [भूतकाल
उ: एक बिस्तर की चादर गायब थी।

3. उसमें पैसे तो नहीं थे। [भविष्यत्काल में]
उ: उसमें तो पैसे नहीं होंगे।

4. कोई उठा ले गया होगा। [वर्तमानकाल में]
उ: कोई उठा ले गया है।

5. वह धूप का चश्मा लगाये थे। [भविष्यत्काल म
उ: वह धूप का चश्मा लगायेंगे।

6. सुबह मुझे लौटना था। [भविष्यत्काल में]
उ: सुबह मुझे लौटना होगा।

7. निम्नलिखित वाक्यों के आगे काल पहचानकर लिखिए :

1. मैंने सामान बाँधा। वर्तमानकाल

2. बड़ी चोरियाँ हो रही हैं। वर्तमानकाल

3. पहले दर्जे का किराया लूँगा। भविष्यत्काल

4. डेलीगेट दोपहर को ही वापस चले गये। भूतकाल

5. मेरी चप्पलें देख रहे थे। भूतकाल

8. एक वाक्य में उत्तर लिखिए

1. प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं?

उ: प्रस्तुत कहानी के लेखक श्री हरिशंकर परसाई हैं।

2. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उ: लेखक यह हिसाब लगाकर गया कि दूसरे दर्जे में जाऊँगा और पहले का किराया लूँगा। इस तरह एक सौ पचास रुपये बचेंगे।

3. लेखक की चप्पलें किससे पहनी थीं?

उ: लेखक की चप्पलें एक ईमानदार डेलीगेट पहनी थीं।

4. स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे?

उ: स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

5. लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये?

उ: रात को पहनने के कपड़े सिरहाने दबाकर सोया।

6. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी?

उ: लेखक आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

7. लेखक को कहाँ ठहराया गया?

उ: लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।

8. ब्रीफकेस में क्या था?

उ: ब्रीफकेस में कागज़ात थे।

9. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?

उ: लेखक ने धूप का चश्मा कमरे की टेबुल पर रख दिया था।

10. तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था?

उ: तीसरे दिन लेखक के कमरे से पर कम्बल भी गायब था।

XII दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उ: पत्र मिला, "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

2. फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?

उ: स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ।

लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं। सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।

3. लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

उ: लेखक समझाया "ऐसा हरगिज़ मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी लें; यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही"।

4. चप्पलों की चोरी होनी पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?

उ: वह बेहिचक लेखक समझाने लगे, "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं। एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा।

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उ: बात यह है कि चीज़ें तो सब चुरा ली गयीं। ताला तक चोरी में चला गया। अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा।"

6. मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

उ: * लेखक को कुछ लेना देना नहीं है। लेखक यह लगाकर गया कि दूसरे दर्जे में जाऊँगा और पहले का किराया। इस तरह एक सौ पचास रुपये बचेंगे। यह बेईमानी कहलायेगी।

* स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं। सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।

XIII चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

उ: मैं बिना धूप का चश्मा की छुट्टी हुई। लोगों ने सहानुभूति प्रकट की। एक सज्जन आये। कहने लगे, बड़ी चोरियाँ हो रही हैं। देखिए आपको धूप का चश्मा ही चला गया।
यह धूप का चश्मा लगाये थे। मुझे याद था, एक दिन पहले वह धूप का चश्मा नहीं लगाये थे। मैंने देखा, जो चश्मा वह लगाये थे। वह मेरा ही था। कहने लगे, "आपने चश्मा लगाया नहीं था"?
मैंने कहा, "रात को क्या चाँदनी में धूप का चश्मा लगाया जाता है?

मैंने कमरे की टेबल पर रख दिया था।"

वह बोले, "कोई उठा ले गया होगा। मैं उन्हें देख रहा था और वह मेरा चश्मा लगाये इत्मीनान से बैठे थे।

२. मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ?

उ: स्वागत समिति के मंत्री आये। कई कार्यकर्ता आये। मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे, "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ है। तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं। यह ईमानदार सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली, तो कितनी बदनामी होगी?"

कार्यकर्ताओं ने कहा, "हम क्या करें? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ-वहाँ जाये तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं?"

मंत्री ने गुस्से से कहा, "मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।"

लेखक समझाया, "ऐसा हरगिज़ मत करियो। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

3. सम्मेलन में लेखक को कौन-से अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए।

उ: ~~ईम~~. ईमानदारी . के सम्मेलन मे लेखक मुख्य अतिथि के रूप मे भग लेने गये। उनका खूब आदार सत्कार हुआ। रहने के लिए आवास अच्छा खान-पान आने जाने का प्रथमा दर्जे का किराया भी मिला लेकिन ईमादार सम्मेलन मे भाग लेने आये हुए प्रतिनिधि बड़े बेईमान निकले। लेखक की चप्पले, खाट पर बिचाचा हुआ कम्बल, चादर यहा तक उनके धूप का चश्मा भी किसी प्रतिनिधी ने चुरा लिया आखिर -र तीन दिन बार लेखका स्वंय वहाँ से वापस जाना चाहते थे। क्योंकि यहाँ रुकेगें तो वे ही स्वंय गायब हो जायेगें।

1/1/25

पूरक वाचन
सत्य की महिमा

- संकलित

प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. 'सत्य' क्या होता है? उसका रूप कैसे होता है?

उ: 'सत्य' बहुत भोला - भाला, बहुत ही सीधा - सादा! जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक - मिर्च लगाए बोल दिया - यही तो सत्य है। कितना सरल! सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है।

2. झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या - क्या सहना पड़ता

उ: एक झूठ साबित करने के लिए हजारों झूठ बोलने पड़ते हैं। और, कहीं पोल खुली तो मुँह काला करना पड़ता है, अपमानित होना पड़ता है। किसी को ~~परेश~~ परेशान करने, दुखी करने के उद्देश्य से सत्य बोलना नहीं चाहिए।

3. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है?

उ: 'सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सात्यमप्रियम', अर्थात, 'सच बोलो जो

दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।

4. "संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है"। - सोदाहरण समझाइए

उ: संसार में जितने महान व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिए हैं। सत्य का पालन किया हैं। राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात हैं। उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं हैं। राजा दशरथ ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गांधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

5. महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन हैं?

उ: उनका कथन हैं - "सत्य एक विशाल वृक्ष हैं। उसका जितना आदर किया जाता हैं, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नही होता।" सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए।

6. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है

उ: कभी-कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उससे अधिक हानि ही होती है। क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है। व्यक्तित्व कुंठित होता है। झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के दरवाजे बंद हो जाते हैं।

7. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

उ: सत्य की महिमा अपार है। सत्य महान् और परम शक्तिशाली है। संस्कृत की सूक्ति है - 'सत्यमेव जयते, नानृतम्' अर्थात, 'सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं'। अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।

8. जॉन मेन्सफील्ड की धारणा क्या है।

उ: जॉन मेन्सफील्ड की धारणा है कि सत्य की नाव से ही हम भवसागर का संतरण कर सकते हैं। सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है।

4/10/25 Sem-2

पाठ -
दुनिया में पहला मकान

- डॉ. विजया गुप्ता

I लेखिका परिचय :

डॉ. विजया गुप्ता जी का जन्म २१ दिसंबर सन् १९४६ को हुआ। आपने लाइब्रेरी साइंस में स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हिंदी प्राध्यापक के रूप में काम करने के बाद गांधी नेशनल म्यूसियम तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में लाइब्रेरियन का काम किया है। सेवा से निवृत्त होने के बाद आप लेखन कार्य में व्यस्त हैं।

आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं - हमारे बहादुर बच्चे [सूचना और प्रसारण मंत्रालय], दोस्ती किताबों से [Children's Literature and Reading Habbit], बाल कहानी संग्रह, दुनिया में पहला मकान, टेलीफोन की मरम्मत, फीस की जिम्मेदारी, बुद्धिमान न्यायाधीश आदि।

II शब्दार्थ :

1. मकान - हार, गृह
2. रत्ती - घोड़ा
3. खुद - स्वयं
4. हड्डी - अस्थि, Bone
5. मुश्किल - कष्ट
6. तय करना - निश्चय करना
7. मजबूत - दृढ़
8. गाड़ना - गड्ढा खोदकर उसमें कोई वस्तु रखकर मिट्टी से ढकना
9. पतली - दुबली, जो मोटा न हो
10. तलाब - सरोवर
11. किस्म - प्रकार, भाँति, ढंग, तर्ज
12. तरीका - रीति, ढंग
13. गोले - वृत्त, गोलाकृति

III अनुरूपता

1. हाथी : जंगली जानवर :: भैंस : पालतु
2. मछली : पानी :: साँप : जमीन
3. मछली : तैरना :: साँप : रेंगना
4. हाथी : सूँड़ :: भैंस : सिंग

(ए) अन्य वचन रूप लिखिए

1. कहानी - कहानियाँ
2. गुफा - गुफाएँ
3. पेड़ - पेड़
4. पत्नी - पत्नियाँ
5. हड्डी - हड्डियाँ
6. मछली - मछलियाँ
7. लकड़ी - लकड़ियाँ
8. पट्टी - पट्टियाँ
9. लोग - लोग
10. घर - घर

(बी) अन्य लिंग रूप लिखिए

1. आदमी - औरत
2. हाथी - हाथीनी
3. भैंस - भैंसा
4. शेर - शेरनी

5. मोर - मोरनी

6. बहन - भाई

vii. विलोम शब्द लिखिए

1. बहुत × कम

2. दिन × रात

3. नीचे × ऊपर

4. मुश्किल × आसान

5. आगे × पीछे

6. मजबूत × कमजोर

7. लंबी × चौड़ी

8. पास × दूर

9. दोस्त × दुश्मन

10. काटना × छोड़ना

vii) जोड़कर लिखिए :

1.	तालाब	पैर	②
2.	हाथी	मछली	①
3.	भैंस	आदिवासी	⑤
4.	पहला	हड्डियाँ	③
5.	सेंगफो	मकान	④

viii) रिक्त स्थान भरिए :

1. भैंस ने दोस्तों को अपने भैंसे का पंजरा दिखाया।
2. दोस्तों की मुलाकत अंत मे मछली से हुई।
3. आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो।
4. भैंस बहन, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं।

इ पर्यायवाची शब्द लिखिए

1. मकान - घर, गृह
2. पेड़ - वृक्ष, पादप
3. दोस्त - मित्र, सखा
4. भेंट - उपहार, तोफा
5.

उ प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया

1.	बनना	बनाना	बनवाना
2.	गिरना	गिराना	गिरवाना
3.	लगना	लगाना	लगवाना
4.	सीखना	सीखाना	सीखवाना
5.	करना	कराना	करवाना
6.	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना

ए सही शब्द चुनकर लिखिए

1. हाथी - जंगल
2. साँप - बिल
3. भैंस - पालतू जानवर
4. मछली - पानी
5. पक्षी - पेड़
6. बैलगाड़ी - गाँव

प्र॰ एक वाक्य

1. सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे ?
उ: सिंगफो आदिवासी पूर्वोत्तर भारत रहते थे।

2. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया ?
उ: सबसे पहले आदमी को मकान बनाना बहुत - से पशुओं ने सिखाया।

3. मकान के बारे में पूछ - ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पड़े ?
उ: वे पशुओं से पूछ - ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

4. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ?
उ: उनकी मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई।

5. दोस्तों ने क्या - क्या तय किया ?
उ: लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे।

6. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ?
उ: हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले।

7. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया?

उ: दोनों दोस्त जंगल से लौटकर आए और एक जगह मकान बना लिया।

प्र॥ दो - तीन वाक्य

1. लालिमा और किंचा लालीदार जंगल की ओर क्यों चल पड़े?

उ. उन दिनों आदमी गुफाओं में और पेड़ों के नीचे रहता था।

2. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की?

उ उनकी मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई। दोनों दोस्तों ने हाथी को नमस्कार किया, फिर कहा, "हाथी भाई, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं। आप बता सकते हैं कि मकान कैसे बनाए जाते हैं?

3. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया?

उ हाथी बोला, "इसमें क्या कठिनाई है? पेड़ों से लकड़ी के इतने मोटे और मजबूत गोले काट लो, जितने मेरे पैर हैं।" हाथी ने उत्तर दिया, "आगे की बात तो मैं नहीं जानता। मुझे रत्ती भर भी पता नहीं।

4. दोस्तों ने किन-किन जानवरों से मुलाकात की?

उ लालिमा और किंचा लालीदास नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान

बनाएँगे। मुश्किल यह थी कि वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते हैं इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

★ दोनों दोस्त आगे बढ़े। रास्ते मे उन्हें साँप मिला।

★ दोनों दोस्त और बढ़े। रास्ते मे सड़क-किनारे उन्हें एक भैंस खड़ी मिली।

★ तब दोनों दोस्त आगे बढ़े। रास्ते में एक तालाब मिला। तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी।

प्र(iv) तीन-चार वाक्य

1 साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया?

उ: दोस्तों ने साँप को रोका उसे नमस्कार किया। बोले, "साँप भाई, हम लोग घर बनाना चाहते हैं। आप बता सकते हैं कि कैसे बनाया जाए? साँप ने कहा, "ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ।" "आगे की बात मैं नही जानता। मुझे रत्ती-भर पता नहीं।

---

2 भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली?

उ: रास्ते में सड़क-किनारे उन्हें एक भैंस खड़ी मिली। भैंस का भैंसा मर गया था भैंसे का मांस दूसरे जानवर खा गए थे। खाली पंजर पड़ा था। दोनों दोस्त

भैंस के सामने पहुँचे। उसे नमस्कार किया और बोले, "भैंस बहन, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं। आप बता सकती हैं कि कैसे बनाया जाए?
बोली, "जैसे इस पंजर में चारं पैरों पर हड्डियाँ पड़ी हैं, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।

3. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया?

उ: तब दोनों दोस्त आगे बढ़े। रास्ते में एक तालाब मिला। तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी। दोनों दोस्त वहीं ठहर गए। फिर दोनों ने मछली के पास जाकर नमस्कार किया और बोले, "हम लोग मकान बनाना चाहते हैं।
मछली ने कहा, "आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो। फिर झाड़ी से बहुत-सी पत्तियाँ तोड़ लो। इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं।
दोनों दोस्त जंगल से लौटकर आए और एक जगह मकान बना लिया। यह दुनिया में आदमी के हाथों बना पहला मकान था।

XV कन्नड़ ~~भाषा~~ मे अनुवाद कीजिए:

1. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया।

उ: ಎಮ್ಮೆಯು ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರ ತೋರಿಸಿತು.

2. साँप ने कहा, 'आगे की बात मैं नहीं जानता।'

उ: ಹಾವು ಹೇಳಿತು ಮುಂದಿನ ಮಾತು (ವಿಷಯ) ನಾನು ತಿಳಿಯಲಾರೆ.

3. हाथी बोला, 'इसमें क्या कठिनाई है?'

उ: ಆನೆ ಹೇಳಿತು, ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಠಿಣತೆ (ಕಷ್ಟ) ಇದೆ.

4. तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी।

उ: ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತಿತ್ತು.

10/10/25

कविता
समय की पहचान

I कवि परिचय

कवि सियारामशरण गुप्त का जन्म 4 सितंबर 1895 को मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगाँव में हुआ था। पिता का नाम सेठ रामचरण कनकने और माता का नाम कौशल्या बाई था। ये हिंदी के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के अनुज थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद घर पर ही उन्होंने गुजराती, अंग्रेजी तथा उर्दू भाषा सीखी। 1929 मे महत्मा गांधीजी के संपर्क में आकर वर्धा में रहे। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं - मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग मृण्मयी, बापू, नकुल आदि। दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए उन्हें नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी द्वारा 'सुधाकर पदक' प्रदान किया गया। लंबे समय की बीमारी के कारण 29 मार्च 1963 में इनका निधन हुआ।

II शब्दार्थ:

1. उद्योगी - परिश्रमी, मेहनती
2. सौख्य - सुख
3. आलस - आलस्य, कामचोरी
4. बहाना - बात टालना, नाम मात्र का कारण

5. द्रव्य - धन, पदार्थ, सामग्री
6. अनुपम - अनोखा, बेजोड़, उपमा विहीन
7. तुच्छ - छोटा, क्षुद्र, निस्सार, अल्प
8. पल - क्षण
9. चित्त - मन, ध्यान, अंत: करण
10. विश्वास - शरोसा, यकीन
11. सुअवसर - अच्छा समय, उत्तम अवसर
12. खोना - गँवाना
13. सर्वथा - सदा, हमेशा